कोटद्वार, शुक्रवार
1 मार्च 2024
वर्षः 45
अंकः 297 पृष्ठः 8
मूल्यः 2.00
RNI-35469/79

# जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2021-23 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

## एक नजर

### यूटिलिटी वाहन दुर्घटनाग्रस्त, दो गंभीर घायल

विकासनगर। कालसी तहसील क्षेत्र के साहिया–नराया मोटर मार्ग पर बुधवार देर रात एक यूटिलिटी वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। वाहन में सवार दो लोगों को गंभीर चोटें आई हैं। प्राथमिक उपचार के बाद दोनों घायलों को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। गुरुवार देर रात शादी समारोह से लौटते वक्त यूटिलिटी वाहन नराया गांव के पास अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरा। स्थानीय ग्रामीणों को दुर्घटना की सूचना मिलने पर ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंचे। खाई से दो घायल लोगों को निकालकर उपचार के लिए सीएचसी साहिया में भर्ती कराया। अस्पताल के प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. अक्षय आनंद ने बताया कि बुधवार देर रात वाहन दुर्घटना में घायल हुए टीकम सिंह, गोपाल सिंह निवासी सैंज गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है।\

### दस साल में नियमित करने के हाईकोर्ट के आदेश का हो पालन

देहरादून। उत्तराखंड विद्युत संविदा कर्मचारी संगठन ने संविदा कर्मचारियों को दस साल में नियमित करने के हाईकोर्ट के आदेश को तत्काल लागू करने की मांग की। सचिव ऊर्जा को भेजे पत्र में संगठन अध्यक्ष विनोद कवि ने कहा कि ऊर्जा के तीनों निगमों में तैनात उपनल कर्मचारियों को नियमितीकरण का लाभ दिया जाए। कवि ने कहा कि हाईकोर्ट ने स्पष्ट कर दिया है कि ऐसे संविदा, दैनिक भोगी कर्मचारी, जिनकी सेवाओं को दस साल हो गए हैं, उन्हें नियमितीकरण का लाभ दिया जाए। इस दायरे में ऊर्जा के तीनों निगमों के कर्मचारी आ रहे हैं। ऊर्जा निगमों के उपनल कर्मचारियों को नियमित किए जाने को लेकर पहले भी श्रम न्यायालय और फिर हाईकोर्ट फैसला दे चुके हैं। इसके तहत दायरे में आने वाले उपनल कर्मचारियों को नियमित किया जाना था। जो कर्मचारी नियमितीकरण के दायरे में नहीं आ रहे हैं, उन्हें समान काम का समान वेतन दिया जाना था। इन आदेशों को मानने की बजाय सरकार हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट चली गई। कहा कि अब जब हाईकोर्ट साफ कर चुका है कि दस साल की सेवा वाले कर्मचारियों को नियमित किया जाए। तो उत्तराखंड में जल्द इस आदेश को सख्ती से लागू किया जाए। क्योंकि उपनल कर्मचारी भी विभागों में फील्ड से लेकर ऑफिसों का काम संभाले हुए हैं।

### सीरियल बम ब्लास्ट केस में 30 साल बाद आया फैसला, अब्दुल करीम टुंडा बरी– दो दोषी करार

अजमेर ,सीरियल बम ब्लास्ट केस में अजमेर की टाडा कोर्ट ने आतंकी अब्दुल करीम टुंडा को वीरवार को बरी कर दिया जबकि, इरफान और हमीमुद्दीन को दोषी माना गया है। सीरियल बम ब्लास्ट केस में करीब 30 साल बाद कोर्ट ने फैसला सुनाया है। टुंडा, इरफान और हमीदुद्दीन को लेकर पुलिस गुरुवार सुबह करीब सवा 11 बजे कड़ी सुरक्षा के बीच टाडा कोर्ट पहुंची।तीनों 6 दिसंबर 1993 को लखनऊ, कानपुर, हैदराबाद, सूरत और मुंबई की ट्रेनों में हुए सिलसिलेवार बम धमाके के मामले में आरोपी थे। 20 साल पहले 28 फरवरी 2004 को टाडा कोर्ट ने ही मामले में 16 अभियुक्तों को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। मामले को लेकर अजमेर टाडा कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि टुंडा के खिलाफ कोई डायरेक्ट एवीडेंस नहीं मिला है। इसलिए उन्हें बरी कर दिया।

### लॉरेन्स स्कूल शिक्षकों को कोरोना काल का पूरा वेतन दे – हाई कोर्ट

इंदौर,हाई कोर्ट इंदौर ने लॉरेन्स स्कूल के शिक्षकों और कर्मचारियों को कोरोना काल का पूरा वेतन देने के आदेश दिए हैं। कोर्ट निर्देश मेंयह भी कहा कि जिन शिक्षकों व कर्मचारियों की सेवा समाप्त हो गई हैं, उनमें जो नौकरी जारी रखना चाहते हैं वे पुनः ज्वाइनिंग दे सकते हैं। कोर्ट इंदौर ने यह आदेश शिक्षकों और कर्मचारियों की याचिकाओं का निराकरण करते हुए उक्त आदेश दिया। शिक्षकों और कर्मचारियों द्वारा कोरोना काल का वेतन मांगने पर स्कूल प्रबंधन ने 12 जून 2021 को पत्र जारी कर उनकी सेवाएं अप्रैल 2020 से ही समाप्त मान ली थी। शिक्षकों और अन्य ने इस आदेश को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में याचिकाएं दायर की थीं।

याचिकाओं में कहा गया था कि प्रमुख सचिव शिक्षा विभाग ने 24 अप्रेल 2020 को एक आदेश जारी कर सभी निजी स्कूलों से शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों को कोरोना काल का पूरा वेतन देने के लिए कहा था। स्कूल प्रबंधन ने छात्रों से कोरोना काल की पूरी ट्यूशन फीस वसूल की है।

## 17 लाख लोगों को रोजगार देने का ऐलान

# मोदी कैबिनेट बैठक में कई अहम फैसलों पर मुहर

नई दिल्ली ,प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल की गुरुवार को बैठक हुई जिसमें कई अहम फैसलों पर मुहर लगाई गई। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने बताया कि मोदी कैबिनेट ने आगामी खरीफ सत्र 2024 के लिए फॉस्फोरस और पोटाश (पीएन्डके) उर्वरकों के लिए पोषण तत्व आधारित सब्सिडी (एनबीएस) की दरें गुरुवार को तय कीं। खरीफ सत्र में सरकार द्वारा इसके लिए बजट से 24,400 करोड़ रुपये से अधिक की सहायता दिए जाने का अनुमान है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल की गुरुवार को यहां हुई बैठक में पीएन्डके उर्वरकों पर एनबीएस की दरें निर्धारित करने के साथ–साथ उर्वरकों की तीन नई श्रेणियों को भी पोषण आधारित सब्सिडी योजना के अन्तर्गत लाने का फैसला किया गया है। बैठक के बाद जारी विज्ञप्ति के अनुसार, खरीफ सत्र 2024 के लिये इस योजना के तहत बजट से करीब 24,420 करोड़ रुपये की सहायता की जरूरत पड़ेगी। खरीफ फसल सत्र हर वर्ष पहली अप्रैल से 30 सितंबर तक चलता है। विज्ञप्ति में कहा गया कि इस निर्णय से किसानों को आगामी खरीफ सत्र में फसलों के लिये उचित दर पर उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित की होगी। सरकार का कहना है कि एनबीएस योजना में उर्वरकों की तीन नयी श्रेणियों को शामिल किये जाने से किसानों को उर्वरकों के चयन के और विकल्प उपलब्ध होंगे तथा खेतों की ओर उर्वरता बनाये रखने में मदद मिलेगी। सरकार का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में उर्वरकों और उर्वरकों के उत्पादन में लगने वाली सामग्री की कीमतों में हाल के परिवर्तन को देखते हुये, एनबीएस की दरों की समीक्षा की गयी हैं। केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने रोग नियंत्रण और महामारी निपटने की तैयारी के लिये राष्ट्रीय एक स्वास्थ्य मिशन का नेतृत्व करने के वास्ते नागपुर के ह्यराष्ट्रीय एक स्वास्थ्य संस्थानह्ल के निदेशक के पद के सृजन को स्वीकृति प्रदान की है। लोकसभा चुनाव 2024 से पहले केंद्र सरकार ने बड़ा ऐलान किया है। मोदी सरकार ने 17 लाख लोगों को रोजगार देने की घोषणा की। साथ ही कैबिनेट की बैठक में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को मंजूरी मिल गई है।

### न चलेंगी ट्रेनें, न होगा किसी सरकारी दफ्तर में काम, हड़ताल का हो गया ऐलान

नई दिल्ली ,किसान आंदोलन के दूसरे चरण के बीच कर्मचारी संगठनों ने देशभर में अनिश्चितकालीन हड़ताल का ऐलान कर दिया है। यह हड़ताल 1 मई को होगी और केंद्र सरकार को 19 मार्च को नोटिस देते हुए ट्रेन और डिफेंस इंडस्ट्री को बंद करते हुए केंद्र सरकार व राज्य सरकारों के दफ्तरों में कामकाज ठप्प रहेगा।

ज्वाइंट फोरम फॉर रिस्टोरेशन ऑफ ओल्ड पेंशन स्कीम ने सर्वसम्मति से फैसला लिया है कि 19 मार्च को संबंधित प्रशासनों को हड़ताल को लेकर नोटिस दिया जाएगा। जेएफआरओपीएस के संयोजक और ऑल इंडिया रेलवेमेन्स फेडरेशन (एआईआरएफ) के महासचिव शिव गोपाल मिश्रा ने बताया कि इस मुद्दे पर केंद्र के साथ चर्चा विफल होने के बाद हड़ताल पर जाने का निर्णय लिया गया। महासचिव शिव गोपाल मिश्रा कैबिनेट सचिव की अध्यक्षता वाली संयुक्त सलाहकार मशीनरी (जेसीएम) के सचिव (कर्मचारी पक्ष) भी हैं।

## निचली अदालतों और हाई कोर्ट के स्टे ऑर्डर अपने आप रद्द नहीं होते, सुप्रीमकोर्ट का बड़ा फैसला

नई दिल्ली , स्टे ऑर्डर को लेकर सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने अहम फैसला सुनाया है। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि ट्रायल कोर्ट या हाई कोर्ट द्वारा दिया गया स्टे ऑर्डर छह महीने के बाद स्वतः खत्म नहीं हो सकता। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि संवैधानिक अदालतों को मामलों के निपटारे के लिए समयसीमा तय करने से बचना चाहिए। हालांकि, कोर्ट ने कहा कि असाधारण परिस्थितियों में ऐसा किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने कहा कि ये नियम है कि दीवानी और आपराधिक मामलों में दिया गया स्थगन आदेश 6 महीने के बाद स्वतः समाप्त नहीं होता है जब तक कि आदेशों को विशेष रूप से बढ़ाया न जाए। इसी के साथ सर्वोच्च न्यायालय ने 2018 के अपने ही उस आदेश को पलट दिया है, जिसके तहत पहले किसी अदालत की तरफ से स्टे के अंतरिम आदेशों को, जब तक कि विशेष रूप से उन्हें बढ़ाने का आदेश न स्पष्ट हो, छह महीने बाद अपने आप रद्द मान लिया जाता था। तब सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा था कि किसी अंतरिम स्टे ऑर्डर को बढ़ाने के लिए अदालतों (हाईकोर्ट या निचली अदालतों) को स्पष्ट आदेश जारी करने होंगे।

# हाई कोर्ट ने प्रमुख सचिव का आदेश किया निरस्त

## • नदीम जैदी को अवसर दिए जाने का दिया निर्देश

नैनीताल। हाई कोर्ट ने उत्तराखंड वक्फ बोर्ड के गढ़वाल क्षेत्र के न्यायिक सदस्य के पद पर के लिए जारी प्रमुख सचिव अल्पसंख्यक विभाग, एल फनई के 22 दिसंबर 2023 के आदेश को निरस्त कर दिया है।

मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति ऋतु बाहरी और न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल की खंडपीठ में वक्फ बोर्ड में न्यायिक सदस्य के रिक्त चल रहे पद पर पूर्व सदस्य नदीम जैदी की याचिका पर सुनवाई हुई, जिसमें कहा गया था कि प्रमुख सचिव की ओर से याचिकाकर्ता को इस वजह से दो वर्ष का सेवा विस्तार नहीं दिया था, की उनकी 2020 में तीन वर्ष की नियुक्ति के विरुद्ध कुछ शिकायतें प्राप्त थी।

नदीम जैदी को जून 2020 में नियुक्ति भी प्रमुख सचिव एल फनई की ओर से की गई थी, फिर नियुक्ति के संदर्भ में प्राप्त शिकायतों के आधार पर उन्हें सेवा विस्तार देने से मना कर दिया था।

खंडपीठ ने प्रमुख सचिव का आदेश निरस्त करते हुए स्पष्ट किया कि शासन को नदीम जैदी को व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर देते हुए शिकायत पत्र सौंपने होंगे, उसके बाद ही वह वक्फ बोर्ड में न्यायिक सदस्य के रिक्त चल रहे पद पर नियुक्ति संबंधी कोई आदेश पारित कर सकते हैं।

### पांच मुद्दों पर बात के साथ कर सकते हैं सिंधिया पर कटाक्ष : राहुल गांधी

भोपाल,कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा दो मार्च तक मप्र में रहेगी। यात्रा ग्वालियर चंबल संभाग में ज्यादा रहेगी। यह वही इलाका है जहां 2018 के विधासभा चुनाव में कांग्रेस को सबसे ज्यादा फायदा हुआ था। वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में भी ग्वालियर चंबल में मप्र के किसी अन्य हिस्से की तुलना में कांग्रेस को सबसे ज्यादा सीटें मिलीं, हालांकि पांच साल पहले हुए चुनाव में हुए सीटों के मुनाफे से कुछ कम है। न्याय यात्रा के जरिए इस इलाके में कांग्रेस अपना जनाधार वापस लेने की कोशिश करेगी। वरिष्ठ राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस अंचल में कांग्रेस के लिए अभी भी बहुत पोटेंशियल है। वहीं इस क्षेत्र में ज्योतिरादित्य सिंधिया कांग्रेस की सबसे बड़ी चुनौती बने हुए हैं। कांग्रेस नेताओं का मानना है कि पांच न्याय की बातों के अलावा राहुल गांधी अपने संबोधनों के दौरान सिंधिया पर भी प्रहार कर सकते हैं। उनका मानना है कि महल के खिलाफ राहुल गांधी कुछ बोलेंगे तो कांग्रेस को लाभ होगा।

## ध्वनिमत से बजट पास, सत्र की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

**देहरादून।** उत्तराखंड विधानसभा में सत्र के चौथे दिन वित्तीय वर्ष 2024–25 के लिए करीब 89 हजार करोड़ का बजट ध्वनिमत से पास हो गया। इसके साथ ही सत्र की कार्यवाही तय दिनों से एक दिन पहले गुरुवार को ही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। इस पर 26 फरवरी से 29 फरवरी तक सदन की कार्यवाही 28 घंटे 25 मिनट तक चली।

बता दें कि धामी सरकार ने मंगलवार को विधानसभा में 89 हजार करोड़ से ज्यादा का बजट पेश किया था। जिसमें राजस्व के लिए लेखे का व्यय 55815.77 करोड़ और पूंजीगत लेखे का व्यय 33414.30 करोड़ रहा। इस बार बजट में 15 फीसदी बढ़ोतरी की गई। इसमें सरकार ने 14538 करोड़ पांच लाख के जेंडर बजट का भी प्रावधान किया है। बजट में गरीब, किसान, युवा, महिला वर्ग पर खास फोकस है। सूचना प्रौद्योगिकी और आधुनिक तकनीक के माध्यम से सरकारी तंत्र को सरल–सुगम बनाकर विकास की नई राहें तैयार करने के साथ हर पीढ़ी के सपनों को साकार करने का संकल्प लिया गया है।

# मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने खेल विभाग की समीक्षा की

देहरादून। मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने विधानसभा भवन में खेल विभाग के साथ पूर्णानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम, मुनि की रेती टिहरी तथा इन्दिरा गांधी अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, हल्द्वानी में लाइटिंग के कार्यों की समीक्षा की। सीएस राधा रतूड़ी ने पूर्णानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम, मुनि की रेती में बहुउद्देशीय भवन को पहाड़ी वास्तुकला से निर्मित एवं सुसज्जित करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही उन्होंने इन्दिरा गांधी अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, हल्द्वानी में कार्यों की भी समीक्षा की। मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने खेल विभाग को राज्य में खेल इन्फ्रास्ट्रक्चर के कार्यों को मिशन मोड पर जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए।

सीएस ने कहा कि राज्य में विकसित खेल इन्फ्रास्ट्रक्चर उत्तराखण्ड में प्रस्तावित राष्ट्रीय खेलों के आयोजन के साथ ही भविष्य में दीर्घ अवधि तक राज्य के खिलाड़ियों तथा युवाओं को लाभान्वित करेगा। बैठक में विशेष प्रमुख सचिव अमित सिन्हा, सचिव अरविंद सिंह ह्यांकी, अपर सचिव विजय कुमार जोगदण्डे तथा जितेन्द्र कुमार सोनकर सहित खेल एवं सम्बन्धित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

### हिमाचल में कांग्रेस के सभी 6 बागी विधायक अयोग्य घोषित

शिमला ,हिमाचल प्रदेश के छह बागी विधायकों पर बड़ा एक्शन हुआ है। सभी छह विधायकों की विधायिकी बर्खास्त कर दी गई है। हिमाचल विधानसभा के स्पीकर कुलदीप सिंह पठानिया ने शिमला में प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह जानकारी दी। कुलदीप सिंह पठानिया ने कहा कि तीन पेज का एक डिटेल ऑर्डर जारी किया गया है। स्पीकर कुलदीप पठानिया ने कहा कि मैंने ट्रिब्यूनल के तहत यह फैसला किया है। कुलदीप सिंह पठानिया ने कहा कि छह माननीय जो हमारे हैं, उन्होंने चुनाव कांग्रेस पार्टी से लड़ा था। एंटी डिफेक्शन लॉ की पटीशन दायर हुई है। इसी संदर्भ में याचिका संसदीय मंत्री की तरफ से आई है। सभी बागियों को सुनवाई का मौके दिए गए। विरोधी वकील को कहा कि नौ बजे तक सुनवाई चल सकती थी ।

### सुक्खू बने रहेंगे सीएम, हिमाचल में कांग्रेस ने सुलझाया संकट

शिमला ,हिमाचल में जारी सियासी घटनाक्रम के बीच कांग्रेस पर्यवेक्षक डीके शिवकुमार ने आज ऐलान कर दिया है कि सुखविंदर सुक्खू हिमाचल के मुख्यमंत्री बने रहेंगे। यहां वीरवार को आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार, हरियाणा के पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा और हिमाचल के सीएम सुखविंदर सुक्खू ने कहा कि पार्टी और विधायकों के बीच सारे मतभेद सुलझा लिए गए हैं। सुक्खू सीएम बने रहेंगे। ऑपरेशन लोटस फेल हो गया है। हमारे लिए अब लोकसभा चुनाव प्राथमिकता है। कांग्रेस पर्यवेक्षक डीके शिवकुमार ने कहा कि हिमाचल में कांग्रेस सरकार है और सुक्खू सीएम हैं। सभी विधायक 5 साल तक कांग्रेस सरकार चाहते हैंज्यहां कोई ऑपरेशन लोटस नहीं है। उन्होंने कहा कि हमारे सीएम ने स्वीकार किया कि कुछ विफलता हुई है, लेकिन यह आगे जारी नहीं रहेगा, हमने सभी विधायकों से व्यक्तिगत रूप से बात की है,

## सभी तहसीलों में एक–एक फायर स्टेशन हो रहे स्थापित — योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज यहां अपने सरकारी आवास पर आयोजित एक कार्यक्रम में अग्नि सुरक्षा कवच के सुदृढ़ीकरण हेतु 38 अग्निशमन केन्द्रों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। उन्होंने 35 अग्निशमन वाहनों का फ्लैग ऑफ भी किया। उन्होंने अग्निशमन एवं जीवन रक्षा कार्य हेतु विशिष्ट उपकरणों का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि संकट के समय अग्निशमन सेवाओं की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका होती है। प्रदेश सरकार ने अग्निशमन से जुड़े कानूनों के व्यापक रिफॉर्म तथा इन सेवाओं के आधुनिकीकरण के लिए समयबद्ध तरीके से कार्य किया है। इसके परिणामस्वरूप अग्निशमन विभाग ने बेहतर इमरजेंसी सेवाएं प्रदान करने के लिए स्वयं को तैयार किया है। आज यहां 25 जनपदों के 34 अग्निशमन केन्द्रों का लोकार्पण, 04 नए अग्निशमन केन्द्रों का शिलान्यास तथा 35 फायर टेण्डर का फ्लैग ऑफ किया जा रहा है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश में वर्ष 1944 में अग्निशमन विभाग का गठन किया गया था। वर्ष 1944 से 2017 तक राज्य में कुल 288 फायर स्टेशन स्थापित हुए। विगत 07 वर्षों में हमारी सरकार ने 71 नये फायर स्टेशन स्थापित किए हैं।

# देश के प्रभावशाली लोगों में शामिल हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी देश के 100 ताकतवर व प्रभावशाली भारतीयों की सूची में 61वें स्थान पर हैं। अपने सख्त फैसलों को लेकर उनकी रैंक में बड़ा सुधार हुआ है।एक राष्ट्रीय मीडिया हाउस ने देश के 100 ताकतवर भारतीयों की सूची आईई–2024 जारी की है।

इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले जबकि दूसरे स्थान पर गृह मंत्री अमित शाह हैं। इसके अलावा आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत, सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़, विदेश मंत्री एस जयशंकर, यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ क्रमशः तीसरे, चौथे, पांचवें व छठे स्थान पर हैं। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, निर्मला सीतारमन, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और प्रमुख उद्योगपति गौतम अडानी टाप–10 की सूची में हैं। इस सूची में देश के प्रमुख राजनीतिज्ञों के अलावा उद्योपतियों, अभिनेताओं और खिलाड़ियों को स्थान दिया गया है। सूची में मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने भी बड़े फैसलों से मजबूत स्थान बनाया है। वे इस सूची में 61 वें स्थान पर हैं,जबकि पिछले वर्ष उनकी रैंकिंग 93 वें स्थान पर थी।

पिछले साल नवंबर माह में उत्तरकाशी के सिलक्यारा सुरंग हादसे के बाद सीएम धामी का रेस्क्यू अभियान देश–दुनिया के सामने नजीर बना। इसके अलावा देश में समान नागरिक संहिता(यूसीसी) विधेयक का मॉडल पेश किया और हल्द्वानी में भड़के दंगों पर 24 घंटे के भीतर नियंत्रण कर बड़ी कार्रवाई की। इसके साथ ही देश का नकल विरोधी सबसे सख्त कानून लागू किया है। इस सब फैसलों से उनकी छवि देशभर में मजबूत हुई है। यही वजह है कि राष्ट्रीयस्तर पर उनकी स्थिति और मजबूत हुई है।

**जयन्त कोटद्वार नाम के समाचार पत्र से संबंधित ब्यौरा**

**फार्म-4 (नियम 8)**

| | |
|---|---|
| 1. प्रकाशन स्थान- | कोटद्वार (गढ़वाल) उत्तराखण्ड |
| 2. प्रकाशन की अवधि | -दैनिक |
| 3. मुद्रक का नाम | -नागेन्द्र उनियाल |
| 4. क्या भारत का नागरिक है | -हां |
| 5. प्रकाशक | -नागेन्द्र उनियाल |
| 6. क्या भारत का नागरिक है | -हां |
| 7. पता | -बदरीनाथ मार्ग,कोटद्वार (गढ़वाल) उत्तराखण्ड |
| 8. संपादक का नाम | -नागेन्द्र उनियाल |
| 9. क्या भारत का नागरिक है | -हां |
| 10. पता | -बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार (गढ़वाल) उत्तराखण्ड |
| 11 उन व्यक्तियों के नाम व पते जो समाचार पत्र के स्वामी हैं तथा जो समस्त पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक के साझेदार या हिस्सेदार हों। | -एकल स्वामित्व नागेन्द्र उनियाल -बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार (गढ़वाल) उत्तराखण्ड |

मैं नागेन्द्र उनियाल एतद्द्वारा घोषित करता हूं कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार उपरोक्त विवरण सत्य है।

(ह०) नागेन्द्र उनियाल
(प्रकाशक)

दिनांक 01 मार्च 2024

उत्तराखण्ड शासन | G20 भारत 2023 INDIA | आज़ादी का अमृत महोत्सव

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

# डेस्टिनेशन उत्तराखण्ड

## राज्य में निवेशकों के लिए बेहतर आयाम तैयार कर रही प्रदेश सरकार

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

**पहाड़ी इलाकों में निजी औद्योगिक क्षेत्रों की स्थापना को बढ़ावा देने के लिए विशेष एकीकृत औद्योगिक प्रोत्साहन नीति की घोषणा की गई। यह नीति औद्योगिक क्षेत्र की निजी भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए प्रस्तावित की गई थी**

## औद्योगिक क्षेत्रों की स्थापना पर है धामी सरकार का जोर

विशेष एकीकृत औद्योगिक प्रोत्साहन नीति राज्य में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने से जुड़ी एक प्रमुख पहल है। इसके माध्यम से रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं। राज्य के दूरस्थ इलाकों में औद्योगिक विकास के साथ-साथ सुविधाओं को विस्तार मिल सका है। यहां की सड़कों, नालियों, प्रकाश की व्यवस्था जैसी मूलभूत सुविधाओं के व्यय पर 50प्रतिशत की सब्सिडी अधिकतम 50 लाख रूपये का प्रावधान किया गया। केंन्द्र सरकार द्वारा अनुमोदित विशेष औद्योगिक पैकेज के समाप्त होने और सिडकुल की ओर से विकसित एकीकृत उद्योगों के लिए भूमि की सीमित उपलब्धता को देखते हुए निजी भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए इस नीति को लागू किया गया। इसके प्रमुख बिंदु ये हैंः

- निजी औद्योगिक एस्टेट की स्थापना के लिए मैदानी भाग में कम से कम 30 एकड़ की जमीन और पहाड़ी इलाकों में कम से कम 02 एकड या इससे अधिक की भूमि का होना जरूरी है। यह भी कहा गया है कि एमएमएमई इकाइयों की स्थापना के लिए जमीन देना जरूरी होगा। बड़े औद्योगिक स्थानों के लिए न्यूनतम 10 स्वतंत्र एमएमएमई इकाइयां और पहाड़ी क्षेत्रों के न्यूनतम 05 स्वतंत्र एमएमएमई इकाइयां निर्धारित की गई हैं।
- निजी क्षेत्र में आईटी पार्क/ बायो टैक्नोलाजी पार्क के विकास के लिए सीडा के प्रचलित भवन उपनियमों के अनुसार न्यूनतम 18000 वर्गमीटर निर्मित क्षेत्रफल होना जरूरी है।
- निजी औद्योगिक एस्टेट या क्षेत्र के लिए निवेशक या प्रमोटर अपने संसाधनों से भूमि की व्यवस्था करेंगे।
- औद्योगिक संपदाओं या इन क्षेत्रों के विकास के लिए सीडा/यूनीफाइड बिल्डिंग बॉय लॉज का पालन करना होगा और सीडा नियामक प्राधिकरण के रूप में कार्य करेगा।
- ऐसे औद्योगिक क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं के रूप में आन्तरिक सड़कों, नालियों, प्रकाश व्यवस्था व अन्य सामान्य सुविधा प्रदान करने की जिम्मेदारी आस्थान के प्रवर्तक की होगी।
- निजी औद्योगिक एस्टेट या क्षेत्रों की स्थापना के लिए सैद्धान्तिक अनुमोदन/ विनियमन की प्रक्रिया दो चरणों की होगी। पहले चरण में औद्योगिक क्षेत्रों की स्थापना के लिए सैद्धान्तिक स्वीकृति दी जायेगी। जबकि दूसरे चरण में भूमि पर सीडा लेआउट पर अनुमोदन और प्रमाण पत्र दिखाने के बाद औपचारिक अधिसूचना जारी की जाएगी।
- बुनियादी ढांचे के विकास के लिए निजी औद्योगिक क्षेत्रों या इसके बाहर के क्षेत्रों के लिए 100 करोड़ रूपये की राशि का कोश बनाया जाएगा। सिडकुल इस फंड को संचालित करेगा। इस निधि से औद्योगिक क्षेत्र में किए गए कुल पूंजी निवेश की तुलना में 2 प्रतिशत की धनराशि खर्च की जाएगी।
- इस नीति के तहत क्षेत्र के भीतर बुनियादी सुविधाओं पर किए गए पूंजी निवेश के सापेक्ष चार चरणों में 10 लाख रूपये प्रति एकड़ की दर से पूंजीगत निवेश किया जाएगा। निजी औद्योगिक प्रतिष्ठानों में सीईटीपी की स्थापना के लिए अचल पूंजी निवेश का 40 प्रतिशत, अधिकतम 01 करोड़ रूपये तक अनुदान दिया जायेगा।
- यह नीति अधिसूचना जारी होने की तिथि से लागू होगी और आगामी 05 वर्ष तक प्रभावी रहेगी।

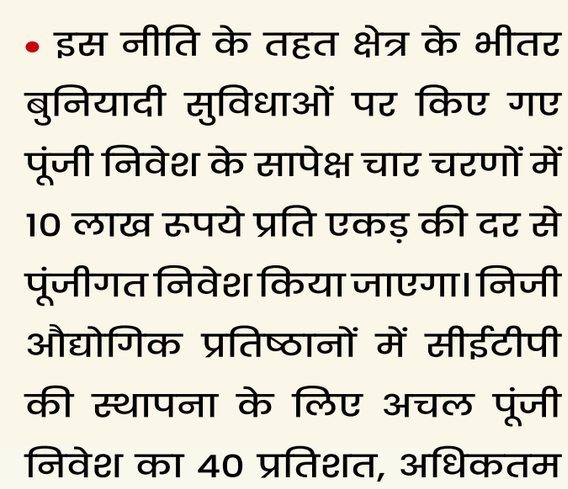

### उत्तराखण्ड की लॉजिस्टिक नीति-2023 के प्रमुख बिन्दु

#### पात्र गतिविधियां

- लॉजिस्टिक पार्क, इनलैंड कन्टेनर डिपो, वेयरहाउस, ट्रक टर्मिनल, लॉजिस्टिक वाहन, कोल्ड स्टोरेज आदि।
- ईको लॉजिस्टिक या ग्रीन लॉजिस्टिक/ टेक्नोलॉजी लॉजिस्टिक सुविधाओं का विकास।

#### वित्तीय प्रोत्साहन

- परियोजना लागत पर 10 से 25 प्रतिशत तक वित्तीय प्रोत्साहन।
- 50 करोड़ रूपये तक की परियोजना लागत पर अधिकतम 08 करोड़ रूपये, 50 करोड़ रूपये से 150 करोड़ रूपये तक के परियोजना लागत पर अधिकतम 24 करोड़ रूपये व 150 करोड़ रूपये से अधिक परियोजना लागत पर अधिकतम 32 करोड़ रूपये तक का अनुदान।
- वेयरहाउसिंग सुविधा के लिए पर्वतीय क्षेत्र में न्यूनतम 2.50 करोड़ रूपये निवेश के साथ 5000 वर्गफुट क्षेत्रफल और मैदानी क्षेत्र में न्यूनतम 05 करोड़ रूपये के निवेश के साथ 10000 वर्गफुट क्षेत्रफल की आवश्यकता।
- ट्रक टर्मिनल के लिए न्यूनतम 5 करोड़ रूपये निवेश के साथ 45,000 वर्गफुट भूमि की आवश्यकता।
- कोल्ड स्टोरेज के लिए न्यूनतम क्षेत्रफल 5000 वर्गफुट।

# फैक्ट्री से बरामद हुआ नकदी दवाओं का जखीरा, दो गिरफ्तार

फैक्ट्री में नकली दवा बनाने के आरोपी

## ● कोरोना काल में रेमडेसिविर इंजेक्शन बनाने व बेचने में भी सामने आया था नाम हैदराबाद पुलिस व कोटद्वार पुलिस ने फैक्ट्री में संयुक्त रूप से मारा छापा

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : भाबर क्षेत्र के अंतर्गत सिगड्डी सिडकुल इंडस्ट्रियल एरिया में स्थित एक फैक्ट्री से नकदी दवाओं का जखीरा बरामद हुआ है। मामले में पुलिस ने फैक्ट्री स्वामी सहित एक अन्य को गिरफ्तार किया है।

वर्ष 2021 में कोरोना काल के दौरान उक्त फैक्ट्री का नाम रेमडेसिविर इंजेक्शन बनाने व बेचने में भी सामने आया था। तब दिल्ली की क्राइम ब्रांच ने फैक्ट्री में छापा मारा था। स्टेट विजलेंस आफिसर तेलंगाना किरन कुमार जानू बताया कुछ दिन पूर्व टीम ने तेलंगाना में नकली दवाओं की खेप पकड़ी थी।

जसके तार कोटद्वार स्थित सिगड्डी सिडकुल की एक फैक्ट्री से जुड़ रहे थे। बताया कि फैक्ट्री में छापेमारी करने के लिए जिले के उच्चाधिकारियों से संपर्क किया गया। जिसके बाद कोटद्वार पुलिस व तेलंगाना की टीम ने फैक्ट्री में छापेमारी की। टीम ने बुधवार से छापेमारी शुरू कर दी थी। तेलंगाना की टीम ने बताया कि मामले में हैदराबाद के एक थाने में आईपीसी की धारा 274, 275, 420 ड्रग कंट्रोल एक्ट 17 बी 17 सी आर डब्ल्यू 27 सी में मुकदमा दर्ज है। कोटद्वार फैक्ट्री में नकली दवा बरामद होने के बाद फैक्ट्री स्वामी विशद व रूड़की निवासी सचिन को गिरफ्तार किया गया है। बताया कि सचिन फैक्ट्री से माल उठाकर इसे आगे सप्लाई करता था। बताया कि फैक्ट्री से 43 लाख रुपये की नकली दवा मिली है। फैक्ट्री में नकली दवा बनाकर उस पर बड़ी कंपनियों के रेपर लगाए जाते थे।

### कोरोना काल में भी आई थी चर्चाओं में

यह वहीं फैक्ट्री वहीं है, जिसमें कोरोनाकाल के दौरान अप्रैल 2021 में दिल्ली में नकली रेमडेसिविर इंजेक्शन बनने व बेचने का नाम सामने आया था। तब दिल्ली की क्राइम ब्रांच ने यहां छापा मारा था, हालांकि तब यहां कुछ भी बरामद नहीं हुआ। कोटद्वार में लगातार बढ़ रही इस तरह की गतिविधियों के बाद सरकारी सिस्टम पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

## जरूरतमंद मतदाताओं को मतदान के लिए मिलेगी मदद

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : यदि आप दिव्यांगजन हैं और लोकसभा चुनाव में मतदान करने में कोई दिक्कत हो रही है, तो चिंतित होने की जरुरत नहीं है। सक्षम ऐप आपको मतदान केंद्र तक पहुंचाने में मदद करेगा। इसके लिए बस आपको मोबाइल फोन में सक्षम एप डाउनलोड कर अपनी जरुरत बतानी होगी। निर्वाचन कर्मी मतदान के दिन जरुरत के मुताबिक सहायता मुहैया करायेंगे।

भारत निर्वाचन आयोग ने दिव्यांग मतदाताओं की सुविधा के लिए सक्षम एप जारी किया है। इसके लिए दिव्यांगजन अपने मोबाइल फोन में इस ऐप को डाउनलोड कर सकते हैं। यह एप मतदाता पंजीकरण से लेकर मतदान के दिन घर से लाने व छोड़ने की सुविधा उपलब्ध कराता है। ऐप की सुविधा लेने के लिए ओटीपी भेजा जाएगा। इस एप से दिव्यांग मतदाता चार तरह की सेवाएं पंजीकरण, सुविधाएं, खोज और सूचना व शिकायत संबंधी सेवाएं प्राप्त कर सकता है। जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने बताया कि पंजीकरण टैब के माध्यम से संबंधित व्यक्ति पंजीकरण, नाम जोड़ने या हटाने का विकल्प भर सकते हैं। सुविधाएं टैब के माध्यम से दिव्यांग मतदाताओं के लिए विभिन्न सुविधाओं के बारे में जान सकते हैं। इसके अतिरिक्त वह मतदान केंद्र पर व्हील चेयर, पिक एंड ड्रॉप और अन्य सहायता के लिए अनुरोध कर सकते हैं।

# संगठन को मजबूत बनाने का लिया संकल्प

कोटद्वार में भाजपा की सदस्यता लेते युवा

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : भाजपा कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने संगठन की मजबूती के लिए कार्य करने का संकल्प लिया है। इस दौरान कांग्रेस के सैकड़ों कार्यकर्ता व पदाधिकारियों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

लालपानी क्षेत्र के वार्ड नंबर तीन में भारतीय जनता पार्टी की बैठक आयोजित की गई। जिलाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह रावत ने कहा कि डबल इंजन की सरकार प्रदेश में लगातार विकास कर रही है। पहाड़ी क्षेत्रों में ग्रामीणों को मूलभूत सुविधाएं मुहैया करवाई जा रही है। हर घर जल, किसान सम्मान निधि, गौरा देवी कन्या धन योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत जैसी कई कल्याणकारी योजनाओं का जनता को बेहतर लाभ मिल रहा है। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष संजय भंडारी, विजय रावत, सूरज कुमार, कुलदीप कुमार, खुशहाल, वीरेंद्र सिंह, मोतीराम, सोहन लाल, जगमोहन सिंह, उमेंद्र सिंह, मनोज कुमार, विनीता देवी, कमला देवी, मोनिका देवी, ममता देवी, सुमन देवी आदि मौजूद रहे।

# ठगी के फरार आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

पुलिस हिरासत में ठगी का आरोपी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : मैट्रीमोनल साइड्स पर शादी का झांका देकर ठगी करने वाले फरार आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। फरार आरोपी पर करीब ढाई हजार रुपये का इनाम भी रखा गया था। दो फरवरी 2022 को खूनीबड़ निवासी रघुवीर सिंह ने पुलिस को तहरीर दी थी। जिसमें उन्होंने बताया था कि मैट्रीमोनल साइटड्स पर शादी के विज्ञापन के नाम पर उनके साथ लाखों की ठगी की गई है। उन्होंने बताया था कि साइट पर अनुश्री किशोर रामराज नाम की महिला ने उनकी प्रोफाइल पर एक प्रस्ताव भेजा, जिसे उन्होंने स्वीकार किया। इसके बाद सोशल मीडिया के मध्य से उनसे संपर्क किया गया। बताया कि इस दौरान उनसे विदेशी मुद्रा को भारतीय करेंसी में ट्रांस्फर करने के लिए धनराशि देने को कहा गया। जिसके बाद उन्होंने चार खातों में अलग-अलग धनराशि ट्रांस्फर की। पुलिस ने बताया कि रघुवीर से करीब तीन लाख तीस हजार की धनराशि ठगी गई। पुलिस ने बीते आठ जनवरी को मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया था। जबकि ग्राम जसोला, बिहार निवासी अजय फरार चल रहा था। पुलिस ने गुरुवार को फरार आरोपित को भी गिरफ्तार कर जेल

# लोकसभा चुनाव को लेकर पुलिस ने कसी कमर, कौडिया में चलाया तलाशी अभियान

कोटद्वार में उत्तराखंड उत्तर प्रदेश की सीमा पर स्थित कौड़िया चैक पोस्ट में अभियान चलाती पुलिस

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर कोटद्वार व बिजनौर पुलिस ने सख्ती दिखाना शुरू कर दिया है। दोनों राज्यों की पुलिस ने संयुक्त रूप से उत्तराखंड व उत्तर प्रदेश की सीमा पर स्थित कौड़िया चैक पोस्ट पर वाहन तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान आमजन से भी कानून व्यवस्था को बेहतर बनाने में सहयोग की अपील की गई।

कुछ दिन पूर्व पौड़ी व बिजनौर के उच्चाधिकारियों की बैठक आयोजित की गई थी, जिसमें लोकसभा चुनाव को लेकर संयुक्त रूप से कार्य करने का निर्णय लिया गया था। इसके तहत बुधवार देर शाम से उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड पुलिस ने संयुक्त रूप से कौड़िया चैक पोस्ट पर तलाशी अभियान चलाना शुरू कर दिया है। बिजनौर की ओर से कोटद्वार की ओर आने वाले दोपहिया व चार पहिया वाहनों की तलाशी ली गई। वाहन से संबंधित दस्तावेज व सामान के संबंध में गंभीरता से पूछताछ की जा रही थी। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मणीभूषण श्रीवास्तव ने बताया कि लोकसभा चुनाव के दौरान कानून व्यवस्था बनी रहे। इसके लिए गंभीरता से कार्य किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड की पुलिस सीमा से सटे इलाकों में भी संयुक्त रूप से गश्त कर रही है। सीमा से गुजरने वाले प्रत्येक वाहन का नंबर भी रजिस्टर में दर्ज किया जा रहा है।


## सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है मेरी पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र में उसका नाम भूलवश MAHISHI AGARWAL भूलवश अंकित हो गया है। जबकि मेरी पुत्री का सही व वास्तविक नाम मीताक्षी अग्रवाल MITAKSHI AGARWAL है। अतः मेरी पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र में उसका सही व वास्तविक नाम मीताक्षी अग्रवाल MITAKSHI AGARWAL अंकित कर जन्म प्रमाण पत्र निर्गत किया जाय।

**विशु अग्रवाल पुत्र विनोद कुमार अग्रवाल निवासी गोविन्द नगर काशीरामपुर, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।**

(1666/21)


## बैरियरों पर चौकसी बरतें : एसएसपी

पौड़ी : वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्वेता चौबे ने कोतवाली पौड़ी का निरीक्षण करते हुए हर फरियादी की शिकायत सुनते हुए उनका पूरा पता और रजिस्टर में फीडबैक का कालम बनाने को कहा। उन्होंने लोकसभा चुनावों को देखते हुए प्रभारी निरीक्षक एनके भट्ट को थाना क्षेत्र में पड़ने वाले सभी बैरियरों पर चौकसी बरतने और चुनाव को प्रभावित करने वाली गतिविधियों पर नजर रखने के निर्देश दिए।एसएसपी ने बैरिकों का निरीक्षण करते हुए ने पुराने भवनों की मरम्मत, मैस के बर्तनों के लिए जल्द प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए। इस दौरान एसएसपी ने पुलिस जवानों से शस्त्रों का अभ्यास भी करवाया। उन्होंने थाने में रखे आपदा उपकरणों को हर समय तैयार हालात में रखने, कोर्ट से निस्तारित हो चुके लावारिस वाहनों का जल्द निस्तारण करने, समय-समय पर अपने थाना क्षेत्र के दूरस्थ गांवों में जाकर महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों को अपराधों, साइबर अपराधों आदि को लेकर जागरूक करने, शत फीसदी सत्यापन करने, आगामी लोक सभा चुनावों के तहत सतर्कता बरतने के निर्देश दिए।

# रंगोली में साहिल, मेहंदी प्रतियोगिता में स्वाती और सविता ने बाजी मारी

## आईएचएमएस में लोकसभा चुनाव को लेकर आयोजित की गई प्रतियोगिताएं



आयोजित प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

जयन्त प्रतिनिधि।कोटद्वार : इंस्टीट्यूट ऑफ हास्पीटेलिटी मैनजमैंट एंड साइंसेज (आईएचएमएस) में लोकसभा चुनाव-2024 के तहत रंगोली, मेहंदी और नाटक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें संस्थान के छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभा के माध्यम से शत प्रतिशत मतदान का संदेश दिया। बलभद्रपुर बीईएल रोड स्थित संस्थान परिसर में आयोजित प्रतियोगिता का संस्थान के एमडी बीएस नेगी ने शुभारंभ किया। उन्होंने छात्र-छात्राओं से आगामी लोकसभा चुनाव में अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने पांच ग्रुप में रंगोली बनाई, जिसमें उन्होंने चुनाव में वोट, प्रजातंत्र, मेरा वोट मेरा अधिकार समेत अनेक श्लोगन खिली हुई रंगोली बनाई। मेहंदी प्रतियोगिता में छात्राओं ने मतदान संबंधी मेंहदी सजाई, वहीं नाटक में छात्रों ने मतदान करने के फायदे गिनाए। संयोजक सपना रौथाण के मार्गदर्शन में आयोजित प्रतियोगिताओं में निर्णायकों द्वारा दिए गए अंकों के आधार पर मेंहदी प्रतियोगिता में स्वाती-सविता ने प्रथम, दिव्या नेगी-कामिनी ने द्वितीय और तानिया-खुशी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। रंगोली प्रतियोगिता में साहिल की टीम ने पहला, विकास की टीम ने दूसरा और सिमरन की टीम ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। नुक्कड नाटक में हिंमाशु पहले, आदित्य चौधरी दूसरे और प्रियांशु सिंह तीसरे स्थान पर रहे। इस अवसर पर मैनेजमेंट विभागाध्यक्ष डॉ. अश्वनि शर्मा, कंप्यूटर साइंस विभागाध्यक्ष विजयश्री खुगशाल, होटल मैनेजमेंट विभागाध्यक्ष पंकज कुकरेती, प्राध्यापक सुरेंद्र सिंह जगवान, सिद्धांत नौटियाल, श्रेया चंदोला, ममता, प्रदीप भट्ट, नवीन किशोर, टकचंद्र कुंवर, आशुतोष धर द्विवेदी, अनुज नेगी, अनिल यादव, अजय आचार्य आदि मौजूद रहे।

## ।। कार्यालय :- नगर निगम कण्वनगरी कोटद्वार (पौड़ी गढ़वाल) ।।

पत्रांक :- 4989 /कर अनु0/भव0ना0/2023-24 दिनांक :- 27/02/2024

### सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्न व्यक्ति/व्यक्तियों द्वारा नगर निगम कोटद्वार के भवन कर अभिलेखों पूर्व भवन स्वामी के स्थान पर अपना नाम दर्ज करने हेतु स्वामित्व प्रमाण पत्रों एवं शपथ पत्र आदि के आधार पर आवेदन किया गया है।

अतः नगर निगम अधिनियम-1959 की धारा 213(ख) के अन्तर्गत समस्त प्रभावित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि जिस किसी को निम्न नामान्तरण/नामान्तरणों पर आपत्ति हो वह मय साक्ष्यों को उपरोक्त सार्वजनिक सूचना के प्रकाशन की तिथि से 30 दिवस भीतर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। मियाद समाप्त होने पर उपलब्ध अभिलेखिया साक्ष्यों के आधार पर सम्पत्ति के नामान्तरण हेतु निर्णय पारित कर लिये जायेगें।

| क्र0 सं0 | सम्पत्ति संख्या एवं मौहल्ले/वार्ड का नाम | भवन कर अभिलेखों में दर्ज नाम (नाम जो निरस्त होना है) | आवेदक का नाम व पता (नाम जो दर्ज होना है) | सम्पत्ति का स्वामित्व प्राप्त करने का आधार |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| 1 | 17/15 वार्ड नं0 15 मालगोदाम रोड | श्री भगवती चरण अग्रवाल पुत्र स्व0 श्री द्वारिका प्रसाद अग्रवाल | श्री गोपालकृष्ण अग्रवाल, श्री महेश चन्द्र अग्रवाल, रविशंकर अग्रवाल एवं एवं श्रीमती विमला देवी पुत्रगण/पत्नी स्व0 श्री भगवतीचरण अग्रवाल | मृत्यु प्रमाण पत्र, उत्तरजीवी प्रमाण पत्र, एवं शपथ पत्र |

**सहायक नगर आयुक्त**
**नगर निगम कण्वनगरी कोटद्वार।**

(1667/51)


# पोस्टर प्रतियोगिता में पिया ने मारी बाजी

आयोजित प्रतियोगिता में भाग लेते विद्यार्थी

## पब्लिक इंटर कॉलेज सुरखेत में आयोजित की गई कार्यशाला

**जयन्त प्रतिनिधि।**

कोटद्वार : विज्ञान दिवस पर पब्लिक इंटर कॉलेज सुरखेत में यूसर्क विज्ञान चेतना केंद्र की ओर से प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस दौरान पोस्टर प्रतियोगिता में पिया रावत ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में महान भौतिक विज्ञानी डा. चन्द्रशेखर वेकंट रमन द्वारा की गई उत्कृष्ट वैज्ञानिक खोज के बारे में विद्यार्थियों को जानकारी दी गई। प्रधानाचार्य पुष्कर सिंह नेगी ने छात्र-छात्राओं को बताया कि प्रति वर्ष 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसी दिन 1928 को हमारे देश के महान भौतिक शास्त्री डा. चन्द्रशेखर वेंकट रमन द्वारा एक उत्कृष्ट वैज्ञानिक खोज की गयी थी, जिसे रमन प्रभाव के नाम से जाना जाता है। इस दौरान पोस्टर प्रतियोगिता में पिया रावत, लोकेश, अर्चना, स्लोगन प्रतियोगिता में आर्यन चौहान, यश चौहान, भावना, निबंध प्रतियोगिता में अंशु रावत, कनिष्का कैंथाला, दुर्गेश, विज्ञान क्विज प्रतियोगिता में शिव रमोला, अंशु रावत, यश चौहान ने प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिताओं के निर्णायक मण्डल में शिक्षक दिनेश बिष्ट, प्रमोद रावत, नीरज रमोला आदि मौजूद रहे।

## चुनाव डयूटी में तैनात कार्मिकों के लिए 1200 हेल्थ किट तैयार

**जयन्त प्रतिनिधि।**

पौड़ी : लोकसभा चुनावों को लेकर स्वास्थ्य महकमे ने भी अपनी तैयारियां की है। जिले में अब तक जहां स्वीप गतिविधियों को लेकर विभाग ने कंट्रोल रूम शुरू किया है वहीं चुनाव ड्यूटी में तैनात कार्मिकों के लिए 1200 हेल्थ किट बनाकर भी तैयार हो गई है। अधिकारियों के अनुसार ये हेल्थ किट हर बूथ भेजी जाएगी।

पौड़ी के सीएमओ डॉ. प्रवीण कुमार ने बताया कि आयोग की एसओपी के तहत काम शुरू किया गया है। इसके लिए एक नोडल अफसर भी तैनात किया गया है। स्वीप गतिविधियों को लेकर ब्लाक वार एएनएम सेंटरों की लिस्ट बनाई जा रही है। इनमें जल्द ही वोटर जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। वहीं नोडल अफसर डॉ. एसडी वर्मन के मुताबिक चुनाव ड्यूटी में तैनात सुरक्षा कार्मिकों के साथ ही अन्य कार्मिकों के लिए हेल्थ की सभी सुविधाओं पर काम शुरू किया गया है। यदि किन्हीं कारणों से एयर एबुलेंस की जरूरत पड़ती है तो विभाग इसके लिए भी तैयारी कर रहा है।

इसके साथ ही 108 सेवा को भी जोड़ा जा रहा है। इसमें किस बूथ से कितना समय संबंधित पास के स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचने में लगेगा इसको लेकर भी खाका खींचा जा रहा है। पोलिंग बूथ तक चुनाव ड्यूटी में तैनात कार्मिकों को हेल्थ संबंधी सुविधाओं के लिए स्वास्थ्य विभाग ने टेली एवं वीडिया कंसल्टेशन सेंटर श्रीनगर मेडिकल कॉलेज और जिला अस्पताल पौड़ी में प्रस्तावित कर दिए है। हर सेंटर पर कम से कम मय स्टाफ के 4 डाक्टर तैनात रहेंगे। जो हेथ्ल किट बनाकर तैयार की गई है उनमें 1200 किट बना दी गई है। जो चुनाव किट को हर बूथ भेजी जाएगी। इन हेल्थ किटों में सभी आवश्यक दवाईयां रखी गई है।

## पौड़ी में जनाक्रोश रैली सात मार्च को

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : संयुक्त संघर्ष समिति द्वारा शहर की विभिन्न समस्याओं के हल की मांग को लेकर 7 मार्च को एक बार फिर से जनाक्रोश रैली निकाली जाएगी। समिति के सदस्यों ने आरोप लगाया कि प्रशासन शहर की समस्याएं हल करने को लेकर गंभीर नजर नहीं आ रहा है। जिसके चलते 7 मार्च को जनाक्रोश रैली निकाली जाएगी। गुरुवार को रामलीला मैदान में संयुक्त संघर्ष समिति की कोर कमेटी की बैठक का आयोजन किया गया। समिति के मीडिया प्रभारी अखिलेश नेगी ने बताया कि संयुक्त संघर्ष समिति कूड़ा निस्तारण, जिला अस्पताल को पीपीपी मोड से हटाने, गड्ढा मुक्त सड़के सहित विभिन्न मांगों के हल को लेकर आंदोलनरित है। कहा कि बीते बुधवार को जिला प्रशासन के साथ बैठक भी आयोजित की गई लेकिन जिला प्रशासन शहर की समस्याओं के हल को लेकर गंभीर नजर नहीं आया। बताया कि गुरुवार को समिति की कोर कमेटी की बैठक में 7 मार्च को जनाक्रोश रैली निकालने का निर्णय लिया गया है। बैठक में समिति के अध्यक्ष मनोज रावत, सहसंयोजक कुलदीप गुसांई, निखिल रौथाण आदि शामिल रहे।

# शहर में निकाली मनमोहक झांकी




शहर में निकाली गई झांकी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विवि की नजीबाबाद रोड़, मिश्रा कालोनी स्थित स्थानीय शाखा की ओर से वर्तमान में महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में नगर निगम के विभिन्न क्षेत्रों में शिव संदेश यात्रा निकाली जा रही है। इसी क्रम में शाखा की ओर से गुरुवार को भाबर क्षेत्र के जीवानंदपुर में शिव संदेश यात्रा निकाली गई।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बी के ज्योति बहन ने कहा कि परमात्मा सर्व शक्तिमान है। उनका धरती पर अवतरण दिव्य जन्म के माध्यम से होता है। कहा कि शिव हमेशा ही कल्याणकारी रहे हैं। उनकी आराधना कर हम उनकी कृपा प्राप्त कर सकते हैं। स्थानीय निवर्तमान पार्षद कमल नेगी ने कहा कि आज का मानव दिशाहीन जीवन जी रहा है। ऐसे में ब्रह्माकुमारीज ज्ञान गंगा जीवन को बेहतर दिशा देने का कार्य कर रही है। इस अवसर पर विभिन्न केंद्रों के बह्माकुमारी भाई बहन और स्थानीय लोग मौजूद रहे।


# "संपत्ति/भवनकर उपविधि—2023-24" आंशिक संशोधन सूचना

इस कार्यालय के पत्रांक 365 /उप0वि0भवन/सम्पत्तिकर)/2023-24 दिनांकः 04 दिसम्बर, 2023 से नगर पंचायत सतपुली द्वारा "संपति/भवनकर उपविधि-2023-24" जो नगर पालिका अधिनियम, 1916 की धारा–301(1) के अन्तर्गत जनसामान्य एवं जिन पर इस उपविधि का प्रभाव पड़ने वाला है उनसे आपत्ति एवं सुझाव हेतु प्रकाशित की गई थी व दिनांक 06 दिसम्बर, 2023 के दैनिक हिन्दुस्तान समाचार पत्र में प्रकाशित हुई है, के बिन्दु संख्या 3 वार्षिक मूल्यांकन 3 के (क) (ख) एवं (ग) को हटाते हुये उसके स्थान पर उत्तराखण्ड शासन विधायी एवं संसदीय कार्य विभाग की अधिसूचना संख्या 127/XXXVI (3)/2021/27(1)/2021 देहरादून, 12 अप्रैल, 2021 द्वारा उत्तराखंड (उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम-1916 (अनुकूलन एवं उपांतरण आदेश, 2002) में उत्तराखंड राज्य के परिपेक्ष्य में अग्रेतर संशोधन के द्वारा उत्तराखंड (उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम-1916 (अनुकूलन एवं उपांतरण आदेश, 2002) (जिसे इसके आगे मूल अधिनियम कहा गया है) की धारा 140 निम्नलिखित रूप से प्रतिस्थापित की गई है के अनुसार अनुसार "संपति/भवनकर उपविधि-2023-24" ने निम्न आंशिक संशोधन किया गया है, एवं नगर पालिका अधिनियम–1916 की धारा–301(1) के अन्तर्गत जनसामान्य एवं जिन पर इसका प्रभाव पड़ने वाला है उनसे आपति एवं सुझाव हेतु प्रकाशित किया जा रहा है।

अतः समाचार पत्र में उक्त "आंशिक संशोधन सूचना के प्रकाशन से दिनांक 08 जनवरी, 2024 तक लिखित सुझाव एवं आपत्तियाँ अधिशासी अधिकारी, नगर पंचायत, सतपुली, जनपद-पौड़ी गढ़वाल (उत्तराखण्ड) को प्रेषित की जा सकेगीं। वाद मियाद प्राप्त आपतियों एवं सुझावों पर कोई विचार नही किया जायेगा।

3- वार्षिक मूल्यांकनः–"भवन या भूमि या दोनों, जैसी भी स्थिति हो, का पूंजीगत मूल्य, जो कि भवन के आच्छादित क्षेत्रफल या भूमि के क्षेत्रफल या दोनों, जैसी भी स्थिति, को भारतीय स्टाम्प अधिनियम 1899 के प्रायोजनार्थ कलेक्टर द्वारा निर्धारित सर्किल रेट/निर्माण की दर जो प्रचलन में हो, से गुणा करने पर प्राप्त मूल्य; किन्तु प्रतिबन्ध यह है कि सम्पति कर के अन्तर्गत सामान्य कर की दर वार्षिक मूल्य के 0.01 प्रतिशत से 1 प्रतिशत के मध्य होगी तथा पूंजीगत मूल्य आधारित सम्पति कर प्रारम्भ होने के अगामी 5 वर्षों में किसी भी दशा में ठीक पूर्व के वर्ष में निर्धारित कर से कम अथवा 5 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा, तत्पश्चात अनुवर्ती वर्षों में सम्पत्ति कर में प्रतिवर्ष वृद्धि की अधिकतम दर नियमावली में विहित रीति से तय की जायेगी; परन्तु यह भी कि पूंजीगत मूल्य आधारित कर का निर्धारण प्रत्येक वर्ष में एक बार किया जायेगा तथा एक अप्रैल को प्रचलित सर्किल रेट के आधार पर ही पूर्ण वर्ष का सम्पत्ति कर निर्धारित किया जायेगा।"

**(भवन का वार्षिक मूल्य = आच्छादित क्षेत्रफल * गणना वर्ष को लागू प्रतिवर्ग मीटर सर्किल रेट)**

**आवासीय भवनों के लिए गणना निम्न भांति की जाएगीः–**

| | |
|---|---|
| i आवासीय भवनों / विभागीय आवास के लिए वार्षिक मूल्यांकन के | 0.01 प्रतिशत |
| ii आवासीय भवन, जिनमें परिवार किराये पर निवासरत हैं के लिए वार्षिक मूल्यांकन (वार्षिक किराया) के | 1.00 प्रतिशत |

**अनावासीय भवनों के लिए गणना निम्न भांति की जाएगीः–**

| | |
|---|---|
| i सरकारी कार्यालय भवनों के लिए वार्षिक मूल्याकन के | 0.012 प्रतिशत |
| ii व्यवसायिक प्रतिष्ठानों/दुकानों के लिए वार्षिक मूल्यांकन के | 0.015 प्रतिशत |
| iii वेडिंग प्वाइंट/होमस्टे/होटल 01 कमरे से 10 कमरे का निर्धारण वार्षिक मूल्यांकन के | 0.025 प्रतिशत |
| iv होटल 10 कमरे से 35 कमरे का निर्धारण वार्षिक मूल्यांकन के | 0.050 प्रतिशत |
| v होटल 35 कमरे से 50 कमरे का निर्धारण वार्षिक मूल्यांकन के | 0.075 प्रतिशत |
| vi होटल 35 कमरे से 50 कमरे का निर्धारण वार्षिक मूल्यांकन के | 0.10 प्रतिशत |
| vii जिस अवासीय मकान/भूमि पर मोबाइल पर टावर का निर्धारण वार्षिक मूल्यांकन के | 0.075 प्रतिशत |

**अधिशासी अधिकारी**
**नगर पंचायत सतपुली**

**प्रशासक**
**नगर पंचायत सतपुली**
**/उपजिलाधिकारी सतपुली**

(1668/65)

# ऊर्जा से विकास की गति को बढ़ाएंगे धामी

## धामी के नेतृत्व में वैश्विक निवेशक सम्मेलन में ऊर्जा के क्षेत्र में सबसे अधिक 1.03 लाख करोड़ के 157 करार

देहरादून। दशकों से बिजली के आपूर्ति और मांग के बीच की बढ़ते अंतर से त्रस्त उत्तराखंड अब ऊर्जा प्रदेश में बदल रहा है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड में ऊर्जा क्षेत्र को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए एक के बाद एक कई बड़े कदम उठाये हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्देशन में उत्तराखण्ड की जल विद्युत परियोजनाओं के कार्य में गति लाकर ऊर्जा उत्पादन के नये कीर्तिमान बनाकर उत्तराखंड ने अर्थव्यवस्था को नये आयाम देने की रणनीति अपनाई है। राज्य में अभी कुल आवश्यकता का 35 से 40 प्रतिशत तक ऊर्जा का उत्पादन होता है। आपूर्ति बरकरार रखने के लिए उत्तराखंड को शेष बिजली सेंट्रल जनरेटिंग स्टेशन (सी. जी.एस.) या खुले बाजार से खरीदनी पड़ती है। इसकी दर अधिक होती है। राज्य में बेस लोड 1750 मेगावाट की आवश्यकता है। इसमें मौसम के अनुसार परिवर्तन होता रहता है। गर्मियों में यह 2400 मेगावाट तक पहुंच जाती है और सर्दियों में 2500 मेगावाट तक।

**मुख्यमंत्री श्री धामी के सतत प्रयासों** के कारण मांग और आपूर्ति के बीद करीब 450 मेगावाट का अंतर होने के बावजूद वर्ष 22–23 में पूरे राज्य के शहरी क्षेत्रों में 23 घंटे 36 मिनट और ग्रामीण इलाकों में 23 घंटे 15 मिनट बिजली की आपूर्ति की गई। इस बीच वर्ष 2023 में प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर बिजली– सौभाग्य योजना के अन्तर्गत ढाई लाख घरों का विद्युतीकरण किया गया। उत्तराखंड में बिजली उत्पादन में उत्तरोत्तर वृद्धि के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए लखवाड़ बहुउद्देशीय परियोजना का कार्य शुरू कराने को महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देहरादून के लौहारी गांव के पास बनने वाली इस परियोजना से उत्तराखंड के साथ **ही उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा,** राजस्थान और हिमाचल प्रदेश को पेयजल और सिंचाई के लिए पानी मिलेगा। इसके साथ ही उत्तराखंड को 300 मेगावाट बिजली प्राप्त होगी और बाढ़ों पर नियंत्रण रखा जा सकेगा उन्होंने राज्य में आने वाले उद्योगों की आवश्यकताओं के मद्देनजर जल विद्युत उत्पादन बढ़ाने के लिए कार्य करने और वर्ष 2030 तक इसे 2200 मेगावाट तक बढ़ाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। वर्ष 2022 में 120 मेगावाट की व्यासी परियोजना उत्पादन शुरु कर देगी। लखवाड़ परियोजना और किशाऊ बहुउद्देशीय परियोजना का कार्य तेजी से चल रहा है। राज्य में कई नई जल परियोजनाओं की डी.पी.आर. तैयार की जा रही है और अनेक जल विद्युत परियोजनाओं को जल्द पूरा करने के लिए कदम उठाये गए हैं। **मुख्यमंत्री श्री धामी ने** जल विद्युत के लिए भंडारण क्षमता बढ़ाकर पांच हजार मेगावाट अतिरिक्त बिजली उत्पादन का मार्ग प्रशस्त किया है।

ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में जिस तरह दुनिया भर के उद्योग जगत ने उत्तराखंड में निवेश करने और औद्योगिक इकाइयां लगाने में रुचि ली है, यह ऊर्जा क्षेत्र में मिली सफलताओं और **नई पहल से भी जुड़ा है, जो विश्वास** दिलाती है कि इस राज्य में ऊर्जा की सहज और निरंतर उपलब्धता विकास के नये कीर्तिमान स्थापित करेगी।

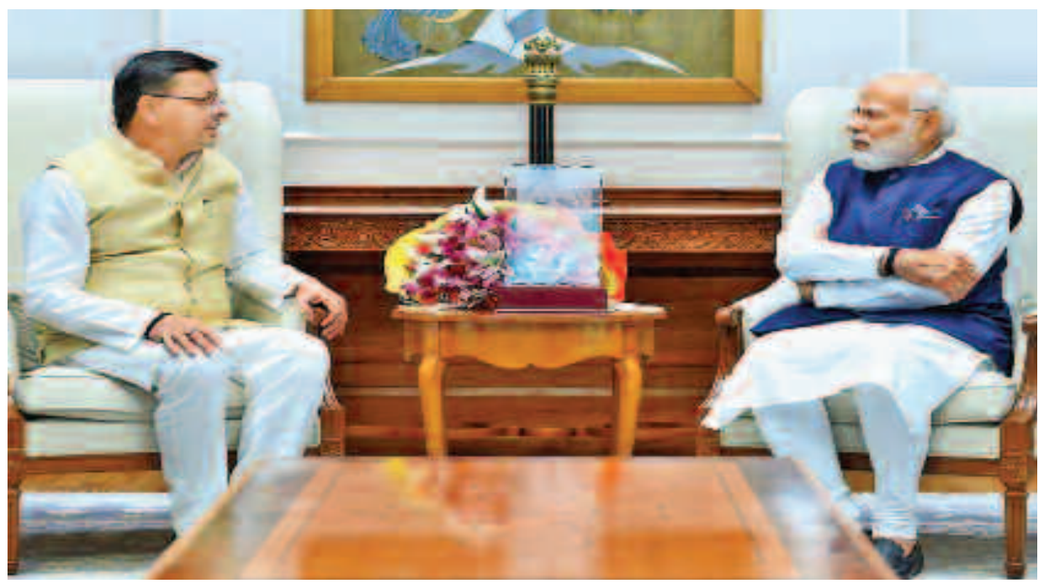

**माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने कहा है कि 21वीं सदी का तीसरा दशक उत्तराखंड का होगा। उनके इस वाक्य ने उत्तराखंडवासियों में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार किया है। केन्द्र** सरकार से राज्य को प्रत्येक क्षेत्र में अभूतपूर्व सहयोग मिल रहा है। राज्य सरकार सरलीकरण, समाधान, निस्तारण और जनसंतुष्टि के मूलमंत्र **पर चलते हुए अंत्योदय की भावना के साथ अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के विकास, कल्याण और उन्नति के लिए निरंतर प्रयासरत है। हम वर्ष 2025** तक देवभूमि को देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

**पुष्कर सिंह धामी, मुख्यमंत्री, उत्तराखंड**

### वैश्विक निवेशक सम्मेलन में निवेशकों को लुभाने में अव्वल रहा ऊर्जा विभाग

प्रदेश सरकार ने आठ और नौ दिसंबर को आयोजित वैश्विक निवेशक सम्मेलन में निवेश के लिए चयनित फोकस सेक्टर के संबंधित विभागों को एमओयू का लक्ष्य निर्धारित किया था। **इसके आधार पर सरकार ने 2.50 लाख करोड़ रुपये निवेश** पर एमओयू का लक्ष्य रखा, लेकिन सरकार को लक्ष्य से एक लाख करोड़ अधिक निवेश पर करार करने में कामयाबी मिली। उत्तराखंड में निवेश करने के लिए देश-दुनिया के निवेशकों को लुभाने में ऊर्जा विभाग अव्वल रहा। सोलर ऊर्जा क्षेत्र में सबसे अधिक 1.03 लाख करोड़ रुपये के 157 प्रस्ताव पर एमओयू किए गए, जबकि उद्योग विभाग दूसरे और पर्यटन तीसरे स्थान पर रहा। **वैश्विक निवेशक सम्मेलन में कुल 1,779 प्रस्ताव पर 3.56 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश पर करार हुआ है। इसमें 44 हजार करोड़ रुपये निवेश की ग्राउंडिंग की जा चुकी है। प्रदेश सरकार ने आठ और नौ दिसंबर को आयोजित वैश्विक निवेशक सम्मेलन में निवेश के लिए चयनित फोकस सेक्टर के संबंधित** विभागों को एमओयू का लक्ष्य निर्धारित किया था।

### जल विद्युत परियोजना : अपार संभावनाएं है देवभूमि में

देहरादून। **गंगा और यमुना के मायके उत्तराखंड में जल विद्युत परियोजनाओं के लिए अपार संभावनाएं हैं। सरकारी और गैर सरकारी उपक्रम इस राज्य में ऐसी कई योजनाओं पर कार्य कर रहे हैं। राज्य में ऐसी काफी नदियां हैं जो जल विद्युत के रूप में समृद्धि और विकास की सौगात ला सकती हैं। उत्तराखण्ड की नदियों में जलविद्युत उत्पादन की असीमित संभावनाएं हैं। ऐसी नदियो में** अलकनंदा, भिलंगना, पिंडर, मंदाकिनी, कैलगंगा, बाल गंगा, सुवारी गाड, धौलीगंगा, भागीरथी, भ्यूंदर, खिराओगंगा, धरम गंगा, कल्पगंगा भी शामिल हैं।

# सौर ऊर्जा से हर गांव पहुंचेगी समृद्धि, घर के समीप रोजगार

## उत्तराखंड में 2500 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन की पहल

देहरादून। उत्तराखंड ने सौर ऊर्जा से विकास **की राह प्रशस्त करने और युवाओं के लिए** रोजगार के नये अवसरों के सृजन की दिशा में कई बड़े और क्रांतिकारी कदम बढ़ा दिये हैं। राज्य को विकास की डगर पर तेजी से **आगे बढ़ाने की मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी** की यह पहल राज्य के शहरी क्षेत्रों के साथ ही दूरदराज के ग्रामीण क्षेत्रों के लिए समृद्धि और आत्मनिर्भरता का वरदान बन सकती है।

पर्यावरण को कोई नुकसान पहुंचाए बगैर गांव और कस्बों में भी बड़े पैमाने पर **रोजगार के अवसरों के सृजन और राज्य की बिजली** की आवश्यकता को पूरा करने वाली यह नई रणनीति मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड की सौर ऊर्जा नीति के रूप में उपहार की तरह दी है। सौर ऊर्जा नीति–2023 बनाकर राज्य में 2500 मेगावाट सौर ऊर्जा के उत्पादन का लक्ष्य लेकर तेजी से कार्य आरम्भ कर दिया गया है। वर्ष 2027 तक यह लक्ष्य पूर्ण किया जाना है। राज्य को हरित **ऊर्जा के माध्यम से खुशियों से संवारने की** यह योजना सरकार की नई सोच और समय **के साथ कदमताल करते हुए बड़े लक्ष्य प्राप्त करने की कार्ययोजना से जुड़ी है। मुख्यमंत्री श्री धामी ने इस नीति को विकास और रोजगार** से जोड़ने के लिए यह प्रावधान किया है कि सौर ऊर्जा उत्पादन के प्रोजेक्ट निजी या सरकारी भूमि लीज पर लेकर लगाये जा सकते हैं। सरकारी भूमि पर ये प्रोजेक्ट लगाने पर उनमें 70 प्रतिशत रोजगार स्थानीय युवाओं को देने की अनिवार्यता निर्धारित कर दी गई है। सौर ऊर्जा उत्पादन की परियोजनाओं को प्रोत्साहित करने की उरेडा में सिंगल विंडो व्यवस्था और लैंड यूज परिवर्तन, रजिस्ट्रेशन, विकास शुल्क आदि में छूट देने का भी निर्णय किया गया है। राज्य की ऊर्जा की आवश्यकताओं को पूर्ण करने के लिए हर साल महंगी बिजली खरीदने वाले ऊर्जा निगम को भी इस नई नीति से उत्तराखंड में ही सस्ती दर पर बिजली मिल सकती है। सौर ऊर्जा के लिए राज्य में निवेश करने वालों से बिजली क्रय करना ऊर्जा निगम के लिए अनिवार्य कर दिया गया है। इससे निवेशकों का जोखिम कम हो जाएगा। उत्तराखंड सरकार की यह पहल राज्य में **औद्योगिक** विकास की गति तेज करने, युवाओं को अपने घर के पास रोजगार के अवसर देने और प्रदेश में चौबिस घंटे लगातार विद्युत आपूर्ति की दिशा में बहुत **प्रभावी निर्णय है। इससे ग्लोबल वार्मिंग और** जलवायु परिवर्तन के खतरों को कम करने में भी मदद मिलेगी।

### सौर नीति 2023 (प्रोत्साहन)

**पूंजीगत सब्सिडी**

| परियोजना श्रेणियां | क्षमता (केडब्लू) | राज्य सब्सिडी (आईएनआर/केडब्लू) |
|---|---|---|
| रूफटॉप सौर | 0-1 | 23000 |
| | 1-3 | 17000 |
| सामुदायिक सौर | 5-500 | 8000 |
| सौर ग्राम | 50-200 | 15000 |
| बिहाइन्ड द मीटर (ऊर्जा भंडारण के साथ) | <1 केडब्लू | 23000 (भंडारण के बिना) 28000 (भंडारण के साथ) |

### सशक्त हुआ पारेषण तंत्र

- पिटकुल को रिन्यूवल एनर्जी सर्टिफिकेट ने ए-प्लस की क्रेडिट रेटिंग दी, जिससे पिटकुल को ऋण में 0.25 प्रतिशत की छूट मिल रही है। उपभोक्ताओं को टैरिफ में यह छूट प्रदान की जा रही है।
- बहुप्रतीक्षित 220 केवी रुद्रपुर–जाफरपुर टीएसएस ट्रांसमिशन रेल लाइन को इस वर्ष मई में ऊर्जीकृत किया गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस लाइन का लोकार्पण किया।
- दो टावरों के बीच प्रदेश में सबसे लंबे स्पान के साथ पिटकुल ने पारेषण लाइन का निर्माण किया। इसमें विशेष तकनीकी का प्रयोग कर ऊर्जा के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल की।
- देहरादून में 132 केवी बिंदाल–पुरकल लाइन के स्थापना को लेकर तेजी से कदम आगे बढ़ रहे हैं। टावर के लिए स्थान चयनित कर लिया गया है।

## ऊर्जा

ऊर्जा के लिहाज से वर्ष 2023 उत्तराखंड के लिए उपलब्धियों भरा रहा। सरकार और ऊर्जा निगम के प्रयासों ने इस वर्ष ऊर्जा प्रदेश के संकल्प को नई दिशा दी। उपभोक्ता सेवा रेटिंग में उत्तराखंड ने हिमालयी राज्यों में प्रथम स्थान प्राप्त किया। यह संभव हो पाया प्रदेश में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था में व्यापक सुधार के साथ ही उपभोक्ताओं की सहूलियत के लिए उठाए जा रहे प्रभावी कदमों से। निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति के लिए प्रदेश में नए सब स्टेशनों के निर्माण के साथ पुरानों का उच्चीकरण युद्धस्तर पर किया जा रहा है। साथ ही बिलिंग और मीटरिंग में सुधार लाने के प्रयास भी जारी हैं। नए वर्ष में एडीबी वित्त पोषित स्मार्ट प्रीपेड मीटर और भूमिगत विद्युत लाइन परियोजनाओं के धरातल पर उतरने की उम्मीद है।

### वर्ष 2023 में ऊर्जा निगम की प्रमुख उपलब्धियां

- केंद्रीय विद्युत मंत्रालय से 'ए' रेटिंग के साथ देशभर के 51 डिस्काम में 12वां स्थान।
- देहरादून स्थित टेस्ट प्रयोगशाला को एनएबीएल सर्टिफिकेट से प्रमाणित किया गया।
- 12 एमवीए क्षमता के दो नए 33/11 केवी उपसंस्थानों व 70.78 किमी नई 33 केवी लाइन का निर्माण।
- विद्युत उत्पादन कंपनियों को समय पर भुगतान कर 100 करोड़ रुपये की बचत की।
- डिजिटल माध्यम से भुगतान 71 से बढ़कर 76 प्रतिशत हो गया।
- त्वरित गति से कार्य करने व बेहतर सुविधाओं के लिए फील्ड एक्टिविटी मैनेजमेंट मोबाइल एप लांच।
- नए विद्युत संयोजन देने के लिए उपभोक्ता स्वयं सेवा मोबाइल एप अपग्रेड।
- ग्रामीण क्षेत्रों में औसतन 23.22 घंटे और शहरी क्षेत्रों में 23.36 घंटे विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित।

### यूजेवीएनएल की वर्ष 2023 की उपलब्धियां

- 1420.60 मेगावाट की 19 जल विद्युत परियोजनाओं से वार्षिक 5,433 मिलियन यूनिट का उत्पादन (पर्यावरणीय प्रवाह छोड़ते हुए) औसत टैरिफ मात्र रुपये 1.60 की दर से किया गया है।
- 300 मेगावाट की बहुउद्देशीय लखवाड़ परियोजना का कार्य प्रारंभ। इससे पांच राज्यों को पीने एवं सिंचाई के लिए जल की आपूर्ति के साथ उत्तराखंड में 300 मेगावाट ऊर्जा का उत्पादन हो सकेगा।
- छह बांध व बैराजों को सुदृढ़ करने और उनकी आयु बढ़ाने के लिए कार्य किए गए।
- प्रदेश भर में कई लघु जल विद्युत परियोजनाएं स्थापित की गईं।
- 26 मेगावाट की सोलर परियोजना स्थापित की जा रही हैं मैदान से लेकर पहाड़ तक।
- आयु पूरी कर चुकी परियोजनाओं के सुरक्षित परिचालन को आरएमयू के कार्य गतिमान, जिससे उत्पादन 15 से 20 प्रतिशत बढ़ा।
- तिलोथ (90 मेगावाट) और ढालीपुर (51 मेगावाट) की मशीनों की मरम्मत।
- किसाऊ बहुउद्देशीय परियोजना (660 मेगावाट) के निर्माण के लिए डीपीआर गठित, परियोजना को मिली गति।

देहरादून। **उत्तराखंड ऊर्जा के क्षेत्र में** अपार संभावनाओं से भरा राज्य है। **हमारी** कई सार्वजनिक बिजली परियोजनाएं सफलतापूर्वक **संचालित की जा रही हैं।**

**हम राज्य में सौर ऊर्जा, जल विद्युत और कोयले से बिजली उत्पादन की दीर्घकालिक योजना पर** काम कर रहे हैं। उत्तराखंड को ऊर्जा प्रदेश बनाने में सौर ऊर्जा का बहुत महत्वपूर्ण योगदान होगा।

**उत्तराखंड ऊर्जा उत्पादन के लिए प्राकृतिक नवीकरणीय संसाधनों से संपन्न है। इसमें कई** सूक्ष्म जलवायु क्षेत्र हैं। पहाड़ी क्षेत्र ठंडे और धूप वाले और ठंडे और बादल वाले जलवायु क्षेत्रों के करीब हैं, जबकि कुछ स्थान जैसे देहरादून अर्ध–मध्यम जलवायु क्षेत्रों के अंतर्गत आता है। इसके अलावा, हरिद्वार, रूड़की, काशीपुर और रुद्रपुर के मैदानी इलाके मिश्रित जलवायु क्षेत्र में स्थित हैं। इसके अलावा, राज्य में नदियों और नहरों का एक बड़ा **नेटवर्क है जो बिजली उत्पादन की अपार संभावनाएं** प्रदान करता है। हाल ही में राज्य कैबिनेट द्वारा उत्तराखंड पंप स्टोरेज परियोजना नीति को मंजूरी दी गई थी। उसके लिए पंप भंडारण परियोजनाएं विकसित की जाएंगी।

बढ़ती मांग के अनुसार बिजली की सुचारू आपूर्ति। राज्य के भीतर केंद्र और राज्य सरकार के उपक्रमों की बांध आधारित जलविद्युत परियोजनाओं में जल भंडारण क्षमता बढ़ाई जाएगी। इस नीति ने 1000 मेगावाट से 5000 मेगावाट तक अतिरिक्त बिजली उत्पादन का मार्ग प्रशस्त किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से और उनके निर्देशन में उत्तराखंड जल संसाधनों का बहुत कुशलता से उपयोग कर रहा है और युवाओं के लिए रोजगार के नये अवसर खोल रहा है। राज्य में विकास की गति देखकर प्रधानमंत्री ने खुद कहा है कि राज्य की सरकार ने इस कहावत को बदल दिया है कि पहाड़ का पानी और पहाड़ की जवानी पहाड़ के काम नहीं आती। ऊर्जा विभाग 24 गुणा 7 निरंतर बिजली प्रदान करने, हर घर को विद्युतीकृत करने और 100 प्रतिशत ग्रामीण विद्युतीकरण हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध है। ऊर्जा विभाग गांवों और बस्तियों के विद्युतीकरण के लिए बुनियादी ढांचे के निर्माण पर भी काम कर रहा है। इसका उद्देश्य राज्य को बिजली उत्पादन, पारेषण और वितरण पर्यावरण के अनुकूल तरीके से स्वच्छ और हरित ऊर्जा का उपयोग करने के लिए भी काम कर रहे हैं।

हरित ऊर्जा के उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए श्री पुष्कर सिंह धामी की सरकार ने नीति बनाकर राज्य में इस क्षेत्र में निवेश की नई राह प्रशस्त कर दी है। सौर ऊर्जा से औद्योगिक क्षेत्रों के साथ ही वाणिज्यिक और कृषि क्षेत्र में उत्पादकता बढ़ायी जा सकेगी।

यह आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरण की दृष्टि भी लाभप्रद होगा। गांवों की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और प्राकृतिक पारिस्थितिकी की सुरक्षा के लिए भी यह एक अच्छा प्रयास है।

### इन योजनाओं को धरातल पर उतारने का लक्ष्य

- कुमाऊं क्षेत्र में 120 मेगावाट की सिरकारीभ्योल व 114 मेगावाट की सेलाउथिंग जल विद्युत परियोजना पर कार्य शुरू करना।
- यमुना घाटी में 72 मेगावाट की त्यूणी–प्लासू जल विद्युत परियोजना का कार्य शुरू करना। इसकी डीपीआर गठित कर ली गई है, भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शेष।
- 81 मेगावाट की आराकोट–त्यूणी जल विद्युत परियोजना की डीपीआर गठित करना।
- प्रदेश में 15.84 लाख स्मार्ट प्रीपेड मीटर की स्थापना की जानी है।
- हरिद्वार, रुड़की, काशीपुर, रुद्रपुर व हल्द्वानी में स्काडा का विस्तार।
- 33/11 केवी के 96 उपसंस्थानों का सुदृढ़ीकरण।
- 59,212 वितरण परिवर्तक व 2,602 फीडरों में स्मार्ट मीटरिंग की स्थापना।
- विद्युत व्यवस्था और सुदृढ़ करने को 396 नए वितरण परिवर्तकों (ट्रांसफार्मर) की स्थापना।
- देहरादून शहर में 243 किमी एचटी लाइन व 152 किमी एलटी लाइन को भूमिगत करना।
- हल्द्वानी शहर में 88 किमी व नैनीताल शहर में 19 किमी लाइन को भूमिगत करना।

एडवाटॉरयल

# तीर्थाटन और पर्यटन से आर्थिकी संवारने का संकल्प

## विकास के पथ पर सधे कदम

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में उत्तराखण्ड के युवा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं। सीमांत गांवों के लिए 51 वाइब्रेंट विलेज का चयन हो या पर्यटन का क्षेत्र, राज्य ने प्रगति के पथ पर मजबूती से कदम बढ़ाए हैं। फिल्मकारों के पसंदीदा शूटिंग डेस्टिनेशन के रूप में पहचान स्थापित करने के साथ ही वैश्विक निवेशक सम्मेलन के जरिये उत्तराखंड ने इस वर्ष देश-दुनिया का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। जी 20 सम्मेलन की कड़ी में तीन बैठकों की मेजबानी का अवसर मिलने के बाद राष्ट्रीय खेलों के आयोजन की जिम्मेदारी भी इसी वर्ष राज्य के हिस्से आई। नए वर्ष में उत्तराखंड देश में समान नागरिक संहिता लागू करने वाला पहला राज्य बनने की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है, जो उसकी नई पहचान बन सकता है।

देहरादून। उत्तराखंड राज्य देवभूमि के रूप में भी प्रसिद्ध है और पर्यटन भूमि के रूप में भी। हिमालय की चोटियों से लेकर घने जंगलों तक यह राज्य अपने अद्वितीय प्राकृतिक सौंदर्य व अपने विश्व प्रसिद्ध धार्मिक स्थलों के कारण

विकास करने के कारण, पर्यटकों के लिए यहाँ पर आना तथा समय व्यतीत करना व यहां से तरोताजा होकर लौटना काफी सुलभ हो गया है। इसी कारण पिछले कुछ वर्षों में उत्तराखंड में तेजी से पर्यटन का विकास हुआ है। सेवा क्षेत्र के सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) में पर्यटन का अंश 50 प्रतिशत और राज्य के सकल घरेलू उत्पाद का 5 प्रतिशत है। यह राज्य की 2 प्रतिशत आबादी को रोजगार देता है। इस हिमालयी राज्य के उत्तर में चीन (तिब्बत) और पूर्व में नेपाल के साथ अंतर्राष्ट्रीय सीमाएँ लगतीं हैं। यहां कई धार्मिक स्थलों और हिल स्टेशनों से लेकर राष्ट्रीय

### आतिथ्य परियोजनाओं के लिए पूंजीगत सब्सिडी

| क्षेत्र श्रेणी | अधिकतम पूंजी सब्सिडी |
|---|---|
| श्रेणी ए क्षेत्रों में परियोजनाएं | पात्र पूंजीगत संपत्ति का 25% |
| श्रेणी बी क्षेत्रों में परियोजनाएं | पात्र पूंजीगत संपत्ति का 35% |
| श्रेणी सी क्षेत्रों में परियोजनाएं | पात्र पूंजीगत संपत्ति का 50% |

- गंगा के अलावा शेष नदियों में राफ्टिंग ऑपरेटर का शुल्क माफ
- टिहरी में पैराग्लाइडिंग ट्रेनिंग फ्री
- इंनवेसमेंट प्रमोशन सेल का निर्माण

उद्यानों और जैव-भंडार तक स्थित हैं जो दुनिया भर से पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। उत्तराखंड गंगा व यमुना सहित भारत की कई प्रमुख नदियों का उद्गम स्थल है। नंदा देवी, बद्रीनाथ और कामेट जैसी बर्फ से ढकी पर्वत चोटियाँ विहंगम दृश्य दिखलाती हैं, जबकि बांज, बुरांश और देवदार के घने जंगल किसी को भी कौतुहल से भर देते हैं। तराई के क्षेत्र में भी कॉरबेट टाईगर रिजर्व तथा राजाजी नैशनल पार्क जैसे वन्यजीव अभ्यारण्य बाघ, तेंदुआ व हाथी सहित बड़ी संख्या में पशु-पक्षियों का आवास स्थल हैं। उत्तराखंड, अपनी प्राकृतिक और सांस्कृतिक विविधता के साथ, इतिहासकारों, ट्रैकिंग उत्साहियों, योग चिकित्सकों, मानव-विज्ञानियों पशु-पक्षी-विज्ञानियों, प्रकृतिवादियों, भाषाविदों और भूवैज्ञानिकों के लिए स्वर्ग से कम नहीं।

अपने रमणीय आकर्षण और शांति के कारण है कि उत्तराखंड शानदार कल्याण केंद्रों के लिए एक आदर्श स्थान है जो चिकित्सीय गुणों के साथ शरीर की गंदगी

## नमो विजन से संवर रहा है उत्तराखंड



बाहर निकालने (डेटॉक्सीफिकेशन) और आरामदायक आयुर्वेदिक स्पा प्रदान करते हैं। घने जंगलों, घुमावदार पहाड़ियों, हरे-भरे घास के मैदानों, बर्फीली ढलानों और शक्तिशाली पर्वत श्रृंखलाओं की पृष्ठभूमि में बना,

प्रदान करता है। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि सरकार पर्यटन को आधुनिक सुविधाओं व गतिविधियों से जोड़ कर एक लुभावना अनुभव बनाने को दृढ़ संकल्पित है। उनका कहना है कि सरकार प्रदेश में

नए मंदिर सर्किट, रोपवे और एडवेंचर ट्रेल्स की स्थापना

मिलेगा। धामी ने आगे कहा कि पिछले महीने राज्य की अपनी यात्रा के दौरान, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि राज्य में पर्यटन और तीर्थयात्रा सर्किट के विकास के लिए डबल इंजन सरकार के प्रयास अब फलित होने लगे हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड एक दिव्य भूमि है जहां हर कोने में देवी-देवताओं का वास है। मंदिरों का महत्व केवल आस्था का केंद्र होने तक सीमित नहीं बल्कि उनका योगदान स्थानीय अर्थव्यवस्था में भी काफी महत्वपूर्ण है।

> 21वीं सदी के विकसित भारत के निर्माण के दो प्रमुख स्तंभ हैं। पहला, अपनी विरासत पर गर्व और दूसरा, विकास के लिए हर संभव प्रयास आज उत्तराखंड, इन दोनों ही स्तंभों को मजबूत कर रहा है।
>
> **नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री**

## नदियों से आसमान तक
# पर्यटन को लगे पंख

देहरादून के मालदेवता क्षेत्र में पैराग्लाइडिंग करता युवक

## साहसिक पर्यटन

पर्यटन का केंद्र कहे जाने वाले उत्तराखंड में तीर्थाटन के साथ ही साहसिक पर्यटन गतिविधियां भी देश-विदेश के सैलानियों को आकर्षित कर रही हैं। उत्तराखंड पर्यटन विकास बोर्ड की ओर से एयर और वाटर स्पोर्ट्स के क्षेत्र में भी प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। इससे व्यापक स्तर पर उत्तराखंड के साहसिक पर्यटन को पहचान मिलती दिख रही है। खासकर पर्वतीय क्षेत्रों में पर्यटन के साथ रोजगार सृजन की दिशा में भी प्रदेश आगे बढ़ रहा है। चारधाम समेत तमाम मठ-मंदिरों की आध्यात्मिक शक्तियों के आगे नतमस्तक विश्व अब उत्तराखंड में पर्यटन गतिविधियों के लिए भी खिंचा आ रहा है।

पर्यटन विभाग की ओर से प्रदेश में साहसिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए व्यापक प्रयास किए जा रहे हैं। धार्मिक स्थलों को विकसित करने और सुविधाओं में इजाफा करने की दिशा में पर्यटन विभाग कदम बढ़ा रहा है। बागेश्वर के बागनाथ धाम को विकसित करने के लिए सर्वे कर लिया गया है। 49 करोड़ रुपये की लागत से यहां विभिन्न कार्य किए जाएंगे। बागनाथ धाम के साथ ही सरयू घाटों का सौंदर्यीकरण भी प्रस्तावित है। चारधाम यात्रा के लिए हेलीसेवा की बुकिंग आइआरसीटीसी को दिए जाने के बाद इस बार बंपर श्रद्धालु हवाई मार्ग से चारधाम पहुंचे।

**ट्रैकिंग:** है जो आपको कई हिमालय शिखरों और चोटियों के रहस्यमय परिवेश में ले जाएगी। राज्य के ट्रैकिंग रूट भरपूर रोमांच और मनोरम दृश्यों से आपको रूबरू कराते हैं। इनमें फू
चोपता, और चंद्रशिला ट्रेक और नंदा देवी ट्रेक शामिल हैं।



### एयर स्पोर्ट्स के क्षेत्र में किए गए प्रयास

- नैनीताल में नौ कंपनियां टैंडेम पैराग्लाइडिंग संचालित कर रही हैं। हाट एयर बैलूनिंग का संचालन भी शुरू हुआ है।
- विश्व पर्यटन दिवस पर मसूरी के जार्ज एवरेस्ट में हिमालय दर्शन के लिए एयर सफारी की शुरुआत की गई। साथ ही पैरामोटर गतिविधियों की प्रदर्शनी व एयरोमाडलिंग गतिविधियां भी आयोजित की गईं।
- हरिद्वार के बैरागी कैंप में एयरो एडवेंचर स्पोर्ट्स के तहत हाट एयर बैलूनिंग, जायरोकाप्टर,



फिक्स्ड विंग और स्काई गेजिंग गतिविधियों को पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर शुरू करने की कवायद।

- कुमाऊं मंडल के चंपावत जनपद में हैंग ग्लाइडिंग एवं पैरामोटरिंग की गतिविधियां बड़े पैमाने पर शुरू की गई हैं।

### देश में पहली बार उत्तराखंड में जाइरोकॉप्टर एडवेंचर की शुरूआत

जाइरोकॉप्टर द्वारा भारत की पहली हिमालयन एयरसफारी के लॉन्च के साथ ही उत्तराखंड ने पर्यटन में एक नयी पहल की है जो हिमालय के लुभावने दृश्यों के साथ रोमांच का मिश्रण करते हुए अद्वितीय अनुभव प्रदान करने का वादा करता है।

उत्तराखंड पर्यटन विकास बोर्ड के अपर



मुख्य कार्यकारी अधिकारी के अनुसार जर्मनी से अत्याधुनिक जायरोकॉप्टर खरीदे गए हैं और शुरूआत में संचालन का नेतृत्व विशेषज्ञ प्रशिक्षित पायलट कर रहे हैं। नागरिक उड्डयन विभाग और जिला अधिकारियों के सहयोग से विभिन्न दर्शनीय स्थानों पर विशेष हवाई पट्टियां विकसित करने की योजनाएं चल रही है।

### वेडिंग डेस्टिनेशन: संवरेगी आर्थिकी

देवभूमि उत्तराखंड धार्मिक व आध्यात्मिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है। यही कारण है कि सरकार इस मध्य हिमालयी राज्य में तीर्थाटन व पर्यटन पर विशेष जोर दे रही है और इसी क्रम में सुविधाएं भी विकसित की जा रही हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अब उत्तराखंड को वेडिंग डेस्टिनेशन के तौर पर विकसित करने का भी मंत्र दिया है। यद्यपि, राज्य में धार्मिक, आध्यात्मिक व प्राकृतिक स्थलों में लोग विवाह समारोह आयोजित करने में रुचि ले हैं, लेकिन अब प्रधानमंत्री की सलाह से इन प्रयासों को न केवल गति मिलेगी, बल्कि स्थानीय आर्थिकी भी संवरेगी। उत्तराखंड में मसूरी, नैनीताल, रामनगर समेत सर्व सुविधासंपन्न स्थलों में देश-विदेश से आकर विवाह का चलन बढ़ा है। विशुद्ध रूप से प्रकृति की गोद में विवाह के लिए औली जैसे स्थल भी यहां है।

**राज्य में प्रमुख विवाह गंतव्य स्थल–** त्रियुगीनारायण, शांतिकुंज हरिद्वार, ऋषिकेश, जोशीमठ, मसूरी, देहरादून, औली, चकराता, हर्षिल, काणाताल, टिहरी झील, नरेंद्रनगर, नैनीताल, रामनगर, ब्रह्मताल, रानीखेत, अल्मोड़ा, भीमताल, मुक्तेश्वर, रामगढ़, रानीगढ़, नौकुचियताल, घोड़ाखाल, गोल्ज्यू मंदिर, चितई गोल्ज्यू मंदिर आदि।

**स्कीइंग:** भारत की स्कीइंग राजधानी के रूप में जाना जाने वाला औली नौसिखिए और विशेषज्ञ स्कीयर दोनों के लिए पसंदीदा गंतव्य है। यह हिल स्टेशन अत्याधुनिक स्कीइंग सुविधाओं से उपयुक्त है तथा इसकी ढलानें पीक सीजन (दिसंबर से मार्च) के दौरान गहरी बर्फ से ढकी रहती हैं और शंकुधारी जंगलों से घिरी रहती हैं। लेकिन राज्य में स्कीइंग के लिए औली एकमात्र स्थान नहीं है। कुछ कम प्रसिद्ध लेकिन समान रूप से सुंदर स्थान मुनस्यारी, मुंडाली और दरया बुग्याल भी हैं, जिनकी ढलान 28 वर्ग किमी है और वे भी स्कीइंग के लिए उपयुक्त स्थान बन सकते हैं।

**जंगल सफारी:** उत्तराखंड में जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क, नंदा देवी नेशनल पार्क, राजाजी नेशनल पार्क, गंगोत्री नेशनल पार्क, बिनसर वन्यजीव अभ्यारण्य और आसन बैराज जैसे कुछ प्रसिद्ध और खूबसूरती से बनाए गए अभ्यारण्य और राष्ट्रीय उद्यान हैं जहां जंगल सफारी का आनंद लिया जा सकता है। इन पार्कों में काला भालू, भारतीय हाथी, तेंदुआ, जंगली बिल्ली, रीसस बंदर, लंगूर, घोरल (बकरी मृग), जंगली कुत्ते, आम ऊदबिलाव, साही, अजगर, कोबरा आदि हैं।

# मानसखंड मंदिर माला मिशन
## कुमाऊं के प्राचीन मंदिरों का होगा विकास

केदारनाथ व बद्रीनाथ के तर्ज पर कुमाऊं के पौराणिक और प्राचीन मंदिरों को भव्य बनाने के लिए अवस्थापनात्मक विकास किया जाएगा। मानस खंड मंदिर माला मिशन योजना के अंतर्गत जागेश्वरधाम मंदिर विकसित होगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि धार्मिक स्थलों के विकास के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। जागेश्वर धाम उत्तराखंड का पांचवा धाम है, इसकी महत्ता का स्कंद पुराण, शिव पुराण, लिंग पुराण में भी उल्लेख है। पुराणों के अनुसार भगवान शिव एवं सप्तऋषियों ने यहां तपस्या की थी। साथ ही जागेश्वर धाम समेत अन्य धार्मिक स्थलों के लिए मास्टर प्लान बनाए जाएंगे। धामी ने कहा कि भारत माला योजना से सभी धार्मिक स्थलों का उत्थान होगा। प्रदेश के विकास के लिए अगले दस सालों का रोडमेप तैयार किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जितना धर्म, संस्कृति और धार्मिक स्थलों का उत्थान हुआ, उतना विश्व में किसी ने भी नहीं सोचा। जागेश्वर में लगभग 250 छोटे-बड़े मंदिर हैं। जागेश्वर मंदिर परिसर में 125 मंदिरों का समूह है। मंदिरों का निर्माण

**जागेश्वर, हनोल, गुंजी, आदि कैलाश का केदारनाथ जैसा विकास, मास्टर प्लान हुआ तैयार, 162 करोड़ से ज्यादा का बजट**

बड़ी-बड़ी शिलाओं से किया गया है। जागेश्वर धाम में सारे मंदिर केदारनाथ शैली से बने हुए हैं। मान्यता है कि गुरु आदि शंकराचार्य ने केदारनाथ प्रस्थान करने से पहले जागेश्वर के दर्शन किये। कुमाऊं क्षेत्र में भी पौराणिक महत्व के अनेक मंदिर हैं जिन्हें मानसखंड योजना के अंतर्गत जोडने की योजना है। सरकार ने कुमाऊं क्षेत्र में 16 मंदिरों में बुनियादी ढांचे को विकसित करने के लिए मानसखंड मंदिर माला परियोजना शुरू की है। अल्मोड़ा के जागेश्वर धाम में जल्द ही योजनाएं शुरू होंगी। पिथौरागढ़ जिले के हनोल और गूंजी में महासु देवता मंदिर का मास्टर प्लान अनुमोदन के अंतिम चरण में है। इस दृष्टिकोण के साथ, इन स्थानों पर समग्र बुनियादी ढांचे में सुधार होने की उम्मीद है।

# वाइब्रेंट विलेज: सीमावर्ती 51 गांवों में लौटेगी रौनक

उस मुल्क की सरहद को कोई छू नहीं सकता, जिस मुल्क की सरहद की निगहबान हैं आंखें।' इन आंखों की चमक और सशक्त हो, यही तो है केंद्र सरकार के महत्वाकांक्षी वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम का उद्देश्य। देश के अन्य हिस्सों की भांति स्वाभाविक तौर पर चीन और नेपाल की सीमा से सटे उत्तराखंड के गांवों को भी इस कार्यक्रम का लाभ मिलना तय है। केंद्र ने सीमावर्ती गांवों के व्यापक विकास के लिए इस कार्यक्रम के तहत अब तक देशभर में 19 जिलों के 46 विकासखंडों के 2967 गांवों की पहचान की है। कार्यक्रम के प्रथम चरण में 662 गांव लिए गए हैं। इसमें उत्तराखंड के 51 गांव भी शामिल हैं, जिनके चहुंमुखी विकास के लिए कार्ययोजना तैयार कर ली गई है। 758 करोड़ रुपये की लागत से यहां के तीन जिलों पिथौरागढ़, चमोली व उत्तरकाशी के पांच विकासखंडों के इन गांवों के लिए विभिन्न क्षेत्रों में 510 कार्य प्रस्तावित किए गए हैं। अब केंद्र से बजट अवमुक्त होते ही इन कार्यों में तेजी आएगी और सीमावर्ती गांव जीवंत होंगे।

### एक नजर में सीमा क्षेत्र

- **375** किलोमीटर है चीन से लगी सीमा
- **283** किलोमीटर सीमा है नेपाल से सटी
- **510** कार्य विभिन्न सेक्टर में होंगे वाइब्रेंट विलेज
- **758** करोड़ से संवरेंगे 51 सीमावर्ती गांव

### भविष्य की उम्मीदें

- सीमावर्ती गांवों के विषम भूगोल को ध्यान में रख बनेंगी योजनाएं।
- स्थानीय ग्रामीणों का सुधरेगा जीवन स्तर।
- शीतकाल में बर्फबारी होने पर भी जीवंतता बनी रहेगी।
- नेलांग घाटी में पूर्व में वीरान हुए गांवों में लौटेगी रंगत।

## राज्य में होम-स्टे से गांव-गांव पहुंच रहा पर्यटन

उत्तराखण्ड सरकार की होम-स्टे योजना राज्य में न केवल पलायन को रोकने में बहुत कारगर रही है। साथ ही स्थानीय लोगों को रोजगार व पर्यटन के नये-नये क्षेत्रों का विकास भी हो रहा है। पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने के लिए सरकार की इस पहल से पर्यटन आज गांव-गांव पहुंच रहा है। योजना के अन्तर्गत भवन स्वामी, जो परिवार सहित भवन में निवास करता हो, अतिथियों के लिये न्यूनतम एक तथा छः कक्षों की व्यवस्था की गई है। यह योजना



उत्तराखण्ड के मूल/स्थायी निवासियों के लिये है। पारम्परिक/ पहाड़ी शैली में निर्मित/विकसित भवनों को प्राथमिकता दी जायेगी। यह योजना नगर निगम क्षेत्र को छोड़कर सम्पूर्ण प्रदेश में लागू है। प्रोत्साहन एवं लाभ प्राप्त करने के लिये नये गृह आवास के निर्माण के अतिरिक्त पुराने भवनों की आर्थिक साज-सज्जा, उनका विस्तार/नवीनीकरण/ सुधार एवं शौचालयों के निर्माण के लिये योजना का लाभ अनुमन्य होगा। होम स्टे के कॉन्सेप्ट को बहुप्रचारित किया जा रहा है, पंजीकृत होम-स्टे को घरेलू दर पर बिजली व पानी की व्यवस्था भी की गई है।

## सम्पादकीय

# भारत की रूस चिंता

विदेश मंत्री जयशंकर के हालिया भाषणों से भारत की यह इच्छा जाहिर होती है कि पश्चिमी देश भारतीय जरूरतों के मुताबिक अपनी नीतियों को ढालें। वे ऐसा रुख ना अपनाएं, जिससे रूस ज्यादा से ज्यादा चीन के करीब चला जाए। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पिछले हफ्ते एक जर्मन अखबार को दिए इंटरव्यू में पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद रूस से तेल खरीदने के भारत के फैसले का बचाव किया। कहा कि मॉस्को ने कभी भी भारत के हितों को नुकसान नहीं पहुंचाया है। दोनों देशों के बीच हमेशा स्थिर और दोस्ताना संबंध रहे हैं। ये बात जयशंकर ने ठीक उस समय कही, जब रूसी विपक्षी नेता एलेक्सी नवालनी की मौत से पश्चिमी देश भडके हुए थे। साथ ही यूक्रेन युद्ध के दो साल पूरा होने वाले थे। इस मौके पर अमेरिका और यूरोपीय देशों ने रूस पर पांच सौ नए प्रतिबंध लगाने का एलान किया, जिसके दायरे में रूस से कारोबार करने वाली कुछ भारतीय कंपनियां भी आ गई हैं। उसी माहौल के बीच नई दिल्ली में रायसीना डायलॉग को संबोधित करते हुए जयशंकर ने कहा कि पश्चिमी देशों को चाहिए कि वे दरवाजे बंद करने के बजाय रूस को अधिक विकल्प उपलब्ध कराएं, ताकि वह चीन के ज्यादा करीब ना चला जाए। विदेश मंत्री ने यहां चीन के खिलाफ अपनी नाराजगी फिर जताई। कहा कि चीन को 'माइंड गेम' खेलने की इजाजत नहीं दी जानी चाहिए, जो अन्य देशों को सहभागियों के साथ मिलकर काम करने से रोकना चाहता है। निहितार्थ यह कि चूंकि भारत ने अमेरिका के साथ सहभागिता बनाई है, इसलिए चीन ने भारत के खिलाफ सख्त रुख अपना रखा है। वह चाहता है कि भारत अमेरिका से दूरी बनाए, तब वह 2020 में सीमा पर बने गतिरोध को दूर करने पर राजी होगा। जयशंकर के इन भाषणों से भारत की यह इच्छा जाहिर होती है कि पश्चिमी देश भारतीय जरूरतों के मुताबिक अपनी नीतियों को ढालें। संभवतः भारत सरकार की समझ यह है कि अमेरिका की चीन विरोधी रणनीति में भारत की महत्त्वपूर्ण भूमिका है, इसलिए वह पश्चिमी नीति को प्रभावित कर सकने की स्थिति में है। मगर असल में ऐसा होता नहीं दिख रहा है। निज्जर और पन्नूं मुद्दों के बाद तो स्थितियां और प्रतिकूल हो गई हैं। ऐसे में रूस भले भारत के लिए महत्त्वपूर्ण हो, लेकिन उस वजह से पश्चिम की सोच ढलेगी, इसकी न्यूनतम संभावना ही है।

# हैम्पशायर और नवादा

**राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनने की दौड़ को ही लें। ट्रंप ने इसके लिए हुई एक भी डिबेट में भाग नहीं लिया, बल्कि वे ऐसा व्यवहार करते थे मानों वे राष्ट्रपति हों, न कि मौजूदा राष्ट्रपति को पद से हटाने के लिए प्रयासरत एक उम्मीदवार। ट्रंप का रिपब्लिकन पार्टी में इस हद तक बोलबाला है कि पार्टी के अन्य प्रमुख नेता उनके चापलूस नजर आते हैं जो ट्रंप की कृपादृष्टि चाहते हैं। यहां तक कि फ्लोरिडा के गर्वनर रोन डेसांटिस ट्रंप के उपहास और दुर्व्यवहार का सामना करने के बाद भी व्हाईट हाउस में उनकी वापसी की कोशिशों का समर्थन कर रहे हैं। उनका समर्थन प्रायमरी की दौड़ में किसी भी रिपब्लिकन की सबसे बड़ी पूंजी है। उन्हें पहले से ही अधिकांश प्रमुख निर्वाचित रिपब्लिकनों का समर्थन हासिल है। वे चुनावी चंदा हासिल करने और मत हासिल करने में भी बहुत आगे हैं। इस तरह ग्रेंड ओल्ड पार्टी अब ग्रैंड ओल्ड पार्टी नहीं रही। बल्कि वह ट्रंप की सनक और इच्छा के अनुसार चलने वाली पार्टी नजर आती है। ट्रंप के राष्ट्रपति चुनाव हारने के बाद भी रिपब्लिकनों को उनका सामना करने के लिए कोई दमदार चेहरा नहीं मिल पाया। वे मतदाताओं के समक्ष कोई नया नेता प्रस्तुत करने में नाकामयाब रहे। आज के मतदाता दुनिया के किसी भी इलाके के मतदाताओं की तरह ऐसा नेता चाहते हैं जो उनके जैसी बातें करे, जो कुलीन न लगे और जो उनकी ओर से उनके शत्रुओं का मुकाबला कर सके।**

**श्रुति व्यास**

डोनाल्ड ट्रंप ने फिर साबित किया है कि वे अजेय हैं। 24 फरवरी को ट्रंप ने प्रतिस्पर्धी निकी हैली के गृहराज्य साऊथ केरोलाइना में जीत हासिल की। साऊथ केरोलाइना की पूर्व गर्वनर होने के बावजूद हैली प्रायमरी में हार गईं। यह आयोवा, न्यू हैम्पशायर और नवादा के बाद ट्रंप की प्राइमरीज में चौथी जीत है। इन जीतों से साफ़ है कि रिपब्लिकन मतदाताओं पर ट्रंप की पकड़ काफी मज़बूत है।

जबकि ट्रंप पर आपराधिक आरोपों में मुकदमे चल रहे हैं। उन्हें जुर्माने बतौर और ज़मानत के लिए दसियों लाख डालर भुगतान करने पड़े हैं।बावजूद इसके वे लगातार रिपब्लिकन पार्टी के पसंदीदा नेता बने हुए हैं। आखिर क्या कारण है कि राष्ट्रपति के रूप में नाकामियों, लोकतंत्र के लिए खतरा होने की हकीकत के बावजूद ट्रंप, रिपब्लिकन पार्टी की चहेते हैं?

यह एक मुनासिब सवाल है। और जवाब उनकी पार्टी में छिपा है।दरअसल रिपब्लिकन पार्टी 'व्यक्तित्ववादी' पार्टी बन गई है यानी कि पार्टी को कुछ लोग चला रहे हैं।वैसे यह स्थिति भारत सहित दुनिया में कई पार्टियों की है। जब पार्टी पर एक व्यक्ति का कब्जा हो जाता है तब विचारधारा और उसकी अभिव्यक्ति की भाषा झ दोनों गौण हो जाते हैं। सन् 2015 में रिपब्लिकन पार्टी बहुत कमजोर स्थिति में थी।कई सालों से पार्टी में अंदरूनी झगड़े चल रहे थे, उसकी विचारधारा में स्पष्टता नहीं थी और नेताओं और समर्थकों के बीच की खाई चौड़ी होती हुई थी। ग्रेंड ओल्ड पार्टी (जीओपी) में नेतृत्व का अभाव था। पार्टी का चुनाव जीतने का फार्मूला नाकाम साबित हो चुका था। पुराने, मजबूत नेताओं को प्राइमरीज में टी पार्टी (सन 2009 में टैक्स के अत्यधिक भार के खिलाफ अमरीका में शुरू हुआ आन्दोलन) के नौसीखियों के हाथों हार का सामना करना पड़ रहा था।

ऐसे में ट्रंप अचानक पार्टी पर नमूदार हुए। रिपब्लिकनों को उनमें एक ऐसा दमदार व्यक्ति मिला जो दुबारा पार्टी का बोलबाला कायम कर सकता था। इसके पहले ट्रंप का न तो राजनीति से कोई लेनादेना था और ना ही रिपब्लिकन पार्टी से।उनके किसी भी सत्ताधारी रिपब्लिकन नेता से निकट संबंध नहीं थे। फिर भी ट्रंप 2016 के चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनने में सफल रहे।

उनके विचार और उनका व्यक्तित्व इतना प्रभावशाली बना कि वे पार्टी के परंपरागत ढांचे को किनारे कर उसे अपने व्यक्तिगत राजनैतिक और आर्थिक हितों को आगे बढ़ाने का औजार बनाने में कामयाब हुए। वे रिपब्लिकनों के बॉस बन गए। वे उन पर दादागिरी करते थे, उन्हें अपमानित करते थे मगर फिर भी उन्हें कोई चुनौती नहीं देता था। पार्टी के नेता उन्हें झेलते रहे।

क्यों? इसलिए क्योंकि उनकी बेवकूफियां और उनका बेतुकापन मतदाताओं को पसंद आ रहा था। और जब सत्ता दांव पर लगी हो तो किसी की भी खड़े होकर साफ–साफ बात करने की हिम्मत नहीं होती।'राजा तो नंगा है' कहना आसान नहीं होता। पार्टी के प्रमुख नेता उनके एजेंडे से हटने की हिम्मत नहीं जुटा पाते थे। यहां तक कि सन् 2020 में जीओपी में वही होता था जो ट्रंप चाहते थे। और आज भी रिपब्लिकन पार्टी का उम्मीदवार या पदाधिकारी बनने की मुख्य योग्यता है ट्रंप के प्रति वफादारी, ना कि पार्टी के सिद्धांतों के प्रति निष्ठा। ट्रंप के दौर के पहले के रिपब्लिकनों की बातें अब घिसी–पिटी मानी जाती हैं और मतदाताओं की दृष्टि में वे अप्रसांगिक हो गए हैं।

इसमें कोई शक नहीं कि ट्रंप का रिपब्लिकन पार्टी में एकछत्र राज है। वे श्रद्धेय हैं और अपनी मनमर्जी पार्टी पर लाद सकते हैं। राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनने की दौड़ को ही लें। ट्रंप ने इसके लिए हुई एक भी डिबेट में भाग नहीं लिया, बल्कि वे ऐसा व्यवहार करते थे मानों वे राष्ट्रपति हों, न कि मौजूदा राष्ट्रपति को पद से हटाने के लिए प्रयासरत एक उम्मीदवार। ट्रंप का रिपब्लिकन पार्टी में इस हद तक बोलबाला है कि पार्टी के अन्य प्रमुख नेता उनके चापलूस नजर आते हैं जो ट्रंप की कृपादृष्टि चाहते हैं। यहां तक कि फ्लोरिडा के गर्वनर रोन डेसांटिस ट्रंप के उपहास और दुर्व्यवहार का सामना करने के बाद भी व्हाईट हाउस में उनकी वापसी की कोशिशों का समर्थन कर रहे हैं। उनका

समर्थन प्रायमरी की दौड़ में किसी भी रिपब्लिकन की सबसे बड़ी पूंजी है। उन्हें पहले से ही अधिकांश प्रमुख निर्वाचित रिपब्लिकनों का समर्थन हासिल है। वे चुनावी चंदा हासिल करने और मत हासिल करने में भी बहुत आगे हैं।

इस तरह ग्रेंड ओल्ड पार्टी अब ग्रैंड ओल्ड पार्टी नहीं रही। बल्कि वह ट्रंप की सनक और इच्छा के अनुसार चलने वाली पार्टी नजर आती है। ट्रंप के राष्ट्रपति चुनाव हारने के बाद भी रिपब्लिकनों को उनका सामना करने के लिए कोई दमदार चेहरा नहीं मिल पाया। वे मतदाताओं के समक्ष कोई नया नेता प्रस्तुत करने में नाकामयाब रहे। आज के मतदाता दुनिया के किसी भी इलाके के मतदाताओं की तरह ऐसा नेता चाहते हैं जो उनके जैसी बातें करे, जो कुलीन न लगे और जो उनकी ओर से उनके शत्रुओं का मुकाबला कर सके। ट्रंप ने ये सारी खूबियां प्रदर्शित की हैं। श्वेत पुरूष और महिलाएं, जो कालेज नहीं गए, रिपब्लिकन पार्टी के मतदाताओं का प्रमुख हिस्सा हैं। वे ट्रंप को लेकर अतिउत्साहित हैं। उन्हें ट्रंप के रूप में ऐसा नेता नजर आता है जो उनके लिए संघर्ष करने को उद्यत है। अन्य कोई भी उम्मीदवार यह सिद्ध नहीं कर सका कि वह ट्रंप से बेहतर साबित हो सकता है। बल्कि वे अपने राजनीति करने के तौर–तरीकों से मतदाताओं से दूर बने रहे।

निकी हैली और माईक पेंस ट्रंप के दौर के पहले के नेताओं के रंग–ढंग में नजर आए। रोन डेसांटिस और विवेक रामास्वामी ने ट्रंप की नकल करने की हर संभव कोशिश की। उन्होंने अपने आप को मेक अमेरिका ग्रेट अगेन एजेंडे के अपेक्षाकृत युवा और बेहतर पैरोकार के रूप में पेश करने की कोशिश की। मगर वे ट्रंप और उनके व्यक्तित्व का विकल्प प्रस्तुत नहीं कर सके बल्कि उन्होंने अपने संसाधन इस प्रयास में खर्च कर दिए कि उन्हें ट्रंप समर्थकों की नाराजगी न झेलनी पड़े। डिबेटों, साक्षात्कारों, रैलियों के दौरान वे ट्रंप की ओर से सफाई देते रहे, उन पर लगे आपराधिक आरोपों के बारे में चुप्पी साधे रहे। बल्कि वे ट्रंप को शहीद साबित करनी में जुटे रहे और ट्रंप पर हो रही कानूनी कार्यवाही को बाईडन द्वारा उन्हें सताना बताते रहे। वे उनकी छवि हाल के समय के महानतम राष्ट्रपति की बनाते रहे। यहां तक कि पीईडब्लूई द्वारा किए गए सर्वेक्षण के

# बिहार, झारखंड में कांटे की लड़ाई

**हरिशंकर व्यास**

भारतीय जनता पार्टी 370 के लक्ष्य को हासिल करने के लिए जिन राज्यों में पिछली बार का प्रदर्शन दोहराने की उम्मीद कर रही है उनमें बिहार और झारखंड दोनों शामिल हैं। बिहार में पिछली बार 40 में से 39 सीटें एनडीए को मिली थी जिसमें भाजपा को अकेले 17 सीटें मिली थीं। इस बार भाजपा को इसमें मुश्किल दिख रही थी तो उसने किसी तरह से राजद और जदयू का गठबंधन तुड़वा कर नीतीश कुमार के साथ तालमेल किया है। इसके बावजूद भाजपा को गारंटी नहीं है कि वह पिछला प्रदर्शन दोहरा पाएगी।

इसी तरह झारखंड में भाजपा और उसकी सहयोगी को राज्य की 14 में से 12 सीटें मिली थीं। लेकिन उसके तुरंत बाद हुए विधानसभा चुनाव में झारखंड मुक्ति मोर्चा ने उसे हरा दिया था। तब से भाजपा किसी तरह से सरकार को अस्थिर करने में लगी थी। चुनावी साल में जेएमएम नेता हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी ने विपक्ष का वोट एकजुट किया है। वहां आधा दर्जन सीटों पर भाजपा के लिए मुश्किल लड़ाई दिख रही है। ओवरऑल वोट में भाजपा बहुत आगे है। उसे 56 फीसदी वोट मिले थे, जबकि जेएमएम और कांग्रेस अलायंस को 35 फीसदी वोट मिले थे। यानी 21 फीसदी वोट का अंतर था।

लेकिन सीटवार देखें तो पिछले लोकसभा चुनाव में झारखंड में भाजपा ने लोहरदगा, खूंटी और दुमका सीट बहुत कम अंतर से जीती थी। खूंटी में अर्जुन मुंडा महज डेढ़ हजार वोट से जीते थे, जबकि लोहरदगा सीट पर सुदर्शन भगत 10 हजार वोट से जीते थे। दुमका में सुनील सोरेन ने शिबू सोरेन को 47 हजार वोट से हराया था। इन तीन सीटों पर कांग्रेस और जेएमएम गठबंधन कम अंतर से हारा था और दो सीटों– चाईबासा व राजमहल में जीत मिली थी। सो, कम से कम पांच लोकसभा सीटें ऐसी हैं, जहां विपक्ष गठबंधन मजबूत है। पिछली बार के मुकाबले विपक्ष का गठबंधन इस बार बेहतर स्थिति में इसलिए भी है क्योंकि पांच साल राज्य में भाजपा के तमाम प्रयासों के बावजूद न जेएमएम में कोई टूट हुई और न कांग्रेस टूटी। हेमंत सोरेन के इस्तीफा देने और गिरफ्तारी के बाद भी चम्पई सोरेन के साथ सभी विधायक एकजुट रहे।

बिहार में भाजपा को पता था कि राजद, जदयू, कांग्रेस और लेफ्ट का गठबंधन ज्यादा मजबूत है इसलिए नीतीश कुमार को उसने अपने साथ मिलाया। ओवरऑल वोट में भाजपा, जदयू और लोजपा गठबंधन को 23 फीसदी वोट की बढ़त थी। एनडीए को 53 फीसदी तो कांग्रेस और राजद गठबंधन को 30 फीसदी वोट मिले थे। लेकिन सीटवार मुकाबले में कई सीटें बहुत कांटे की टक्कर वाली थीं। मिसाल के तौर पर जहानाबाद सीट पर राजद के सुरेंद्र यादव सिर्फ साढ़े 17 सौ वोट से हारे थे। पाटलिपुत्र सीट पर मीसा भारती 39 हजार वोट हारी थीं तो कटिहार सीट पर कांग्रेस के तारिक अनवर 57 हजार वोट से हारे थे। राजद और कांग्रेस की सहयोगी पार्टियां काराकाट और औरंगाबाद सीट पर भी एक लाख से कम वोट से हारी थीं। विपक्षी गठबंधन सिर्फ एक किशनगंज सीट जीत पाया था।

# यामी गौतम की आर्टिकल 370 की कमाई में गिरावट

इन दिनों सिनेमाघरों में यामी गौतम की बहुप्रतीक्षित फिल्म आर्टिकल 370 लगी हुई है, जो दर्शकों का भरपूर मनोरंजन कर रही है।विद्युत जामवाल की फिल्म क्रैक से भिड़ंत के बावजूद यामी की फिल्म ने दर्शकों का दिल जीत लिया है।आर्टिकल 370 का शुरुआत से दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा है।हालांकि, वीकेंड पर बंपर कमाई करने के बाद अब कामकाजी दिनों में फिल्म की कमाई में भारी गिरावट देखने को मिली है।

अब आर्टिकल 370 की कमाई के चौथे दिन के आंकड़े सामने आ चुके हैं।बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म ने सोमवार को 3.25 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 26.15 करोड़ रुपये हो गया है।आर्टिकल 370 ने टिकट खिडक़ी पर 5.9 करोड़ रुपये के साथ अपना खाता खोला था।वीकेंड पर फिल्म की कमाई में उछाल आया और इसने दूसरे दिन 7.4 करोड़ रुपये और तीसरे दिन 9.6 करोड़ रुपये कमाए। आर्टिकल 370 के निर्देशन की कमान आदित्य सुहास जंभाले ने संभाली है और फिल्म का निर्माण यामी के पति और निर्देशन आदित्य धर ने किया है।यह फिल्म जम्मू कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाए जाने के दौरान आईं चुनौतियों से रूबरू कराती है।फिल्म को देश ही नहीं, दुनियाभर में प्यार मिल रहा है। दुनियाभर में इस फिल्म ने 34.71 करोड़ रुपये कमा लिए हैं।इसमें अरुण गोविल, प्रियामणि, किरण कारमकर सहित कई कलाकार अहम किरदारों में नजर आए हैं।

विद्युत जामवाल, नोरा फतेही, एमी जैक्सन और अर्जुन रामपाल जैसे सितारों से सजी फिल्म क्रैक जीतेगा तो जिएगा को समीक्षकों की मिली–जुली प्रतिक्रिया मिली है, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म दर्शकों के लिए तरस रही है।एक्शन–रोमांस से भरपूर यह फिल्म बीते शुक्रवार 23 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

वीकेंड पर ठीक–ठाक कारोबार करने के बाद अब क्रैक की कमाई के चौथे दिन के आंकड़े सामने आ गए हैं, जो अब तक का सबसे कम कारोबार है।

बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, क्रैक ने अपनी रिलीज के चौथे दिन (सोमवार) 1 करोड़ रुपये का कारोबार किया।क्रैक ने बॉक्स ऑफिस पर 4.25 करोड़ रुपये के साथ अपनी शुरुआत की थी।दूसरे दिन फिल्म की कमाई में गिरावट देखने को मिली और इसने 2.15 करोड़ रुपये कमाए। तीसरे दिन यह फिल्म 2.3 करोड़ रुपये समेटने में सफल रही।

## वर्ल्डवाइड 150 करोड़ की ओर शाहिद–कृति की फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया

शाहिद कपूर और कृति सेनन की फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया का बिजनेस हिचकोले खा रहा है। फिल्म भारत में पिछड़ती जा रही है, लेकिन वर्ल्डवाइड तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया का कलेक्शन आगे बढ़ रहा है। अब फिल्म ने 150 करोड़ क्लब की ओर निशाना साधा है। तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया के लिए अब बिजनेस करना मुश्किल हो रहा है, क्योंकि मुकाबले में दो नई फिल्में आ गई हैं। इनमें यामी गौतम की आर्टिकल 370 और विद्युत जामवाल की क्रैक शामिल है। हालांकि, तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया पीछे हटने तो तैयार नही है। तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया वैलेंटाइन वीक के मौके पर रिलीज हुई थी। वही, अब फिल्म ने थिएटर्स में 18 दिनों का सफर पूरा कर लिया है। वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर फिल्म काफी पहले 100 करोड़ क्लब में एंट्री कर गई थी। अब तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया 150 करोड़ की ओर बढ़ रही है। अपडेट के अनुसार 26 फरवरी तक फिल्म ने दुनियाभर में 133.43 करोड़ की ग्रॉस कमाई कर ली है। तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया के डोमेस्टिक बिजनेस रिपोर्ट की बात करें, तो फिल्म ने अभी 100 करोड़ क्लब में एंट्री नही कर पाई है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार, कृति सेनन और शाहिद कपूर की फिल्म ने रिलीज के 18 दिनों में घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 74.35 करोड़ का नेट बिजनेस कर लिया है। तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया की लीड स्टार कास्ट में शाहिद कपूर और कृति सेनन का नाम शामिल है। फिल्म में इनके अलावा डिंपल कपाडिया, धर्मेंद्र और राकेश बेदी भी अहम किरदारों में शामिल हैं। फिल्म में कृति सेनन ने सुपर स्मार्ट फीमेल रोबोट शिफा का किरदार निभाया है, जबकि शाहिद ने कंप्यूटर इंजीनियर आर्यन के रोल में हैं। तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया का डायरेक्शन अमित जोशी और आराधना शाह ने किया है।

# घरेलू क्रिकेट न खेलने वालों पर बीसीसीआई ने चलाया चाबुक

## सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट में श्रेयस अय्यर और ईशान किशन शामिल नहीं

मुंबई , बीसीसीआई ने खिलाड़ियों के सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट का ऐलान कर दिया है। कॉन्ट्रेक्ट के तहत श्रेयस अय्यर और ईशान किशन को इसमें शामिल नहीं किया गया है।

इन दोनों को कई बार बोलने के बावजूद रणजी ट्रॉफी नहीं खेलने की सजा मिली है और उन्हें नया कॉन्ट्रेक्ट नहीं मिला है। वहीं युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को पहली बार कॉन्ट्रेक्ट मिला है। बीसीसीआई ने अपने बयान में कहा कि अय्यर और ईशान को वार्षिक अनुबंध नहीं दिया गया है। उत्तर प्रदेश के बाएं हाथ के बल्लेबाज रिंकू सिंह को ग्रेड–सी में जगह मिली है। ए प्लस ग्रेड

में कप्तान रोहित शर्मा के अलावा विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा हैं। बीसीसीआई ने इस साल 30 खिलाड़ियों को अनुबंध दिया है। यह एक अक्तूबर 2023 से 30 सितंबर 2024 तक के लिए है।

बोर्ड ने इस बार एक नई परंपरा जारी की है। उसने तेज गेंदबाजी अनुबंध भी अलग से दिया है। इस लिस्ट में आकाश दीप, विजयकुमार वैश्यक, उमरान मलिक, यश दयाल और विद्वथ कावेरप्पा शामिल हैं। ग्रेड ए प्लस में शामिल खिलाड़ियों को 7 करोड़ रुपये सालाना दिए जाते हैं। इस ग्रेड में शामिल खिलाड़ी तीनों फॉर्मेट में नियमित तौर पर खेलते हैं। ग्रेड ए में शामिल खिलाड़ियों को सालाना 5 करोड़, ग्रेड बी के प्लेयर्स को सालाना 3 करोड़ और ग्रेड सी के प्लेयर्स को सालाना 1 करोड़ रुपये दिए जाते हैं। सालाना कॉन्ट्रैक्ट के मुताबिक 2023–24 के लिए बीसीसीआई ने किसी राशि में संशोधन नहीं किया है। बीसीसीआई द्वारा जारी सालाना कॉन्ट्रैक्ट सूची में राशि का कोई जिक्र नहीं किया गया है।

# राष्ट्रीय निशानेबाजी : अनीश भनवाला की ट्रायल में लगातार दूसरी जीत

भोपाल , पेरिस ओलंपिक कोटा धारक और भारत के नंबर 1 हरियाणा के अनीश भनवाला ने राष्ट्रीय राइफल/पिस्टल चयन ट्रायल में दो में से दो जीत हासिल करते हुए एम.पी. राज्य शूटिंग अकादमी रेंज में मंगलवार को यहां पुरुषों की 25 मीटर रैपिड–फायर पिस्टल टी4 ट्रायल जीत लिया।

अनीश ने फाइनल में 40 में से 35 हिट लगाए, और एक बार फिर सेना के गुरमीत को 31 हिट के साथ दूसरे स्थान पर छोड़ दिया, जो रविवार को एक दिन पहले टी 3 शीर्ष दो की पुनरावृत्ति थी। एक अन्य पेरिस कोटा धारक विजयवीर सिद्धू 22 हिट के साथ तीसरे स्थान पर रहे। अर्जुन बाबुता ने ट्रायल में पेरिस कोटा धारकों का अच्छा प्रदर्शन जारी रखा, फाइनल में 253.7 के स्कोर के साथ पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल टी 3 ट्रायल जीत लिया। यह पिछले महीने काहिरा आईएसएसएफ विश्व कप में

भारत के अंतरराष्ट्रीय टीम के साथी दिव्यांश सिंह पंवार के अंतिम विश्व रिकॉर्ड स्कोर से मेल खाता था, जो विश्व स्तरीय राइफल शूटिंग का प्रदर्शन था। नौसेना के किरण अंकुश जाधव दूसरे स्थान पर रहे जबकि क्वालीफिकेशन टॉपर तमिलनाडु के श्री कार्तिक साबरी राज तीसरे स्थान पर रहे। अर्जुन ने 632.8 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर क्वालीफाई किया था। दिन के तीसरे मैच में, रेलवे की आयुषी पोद्दार ने महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3–पोजीशन (3पी) स्पर्धा 459.7 के अंतिम राउंड स्कोर के साथ जीती। केरल की विदरसा विनोद 457.7 के साथ दूसरे और गुजरात की हीना गोहेई 447.8 के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। आयुषी ने सातवें स्थान की योग्यता हासिल कर इसे महत्वपूर्ण बना दिया। राजस्थान की मानिनी कौशिक 586 के स्कोर के साथ क्वालिफिकेशन राउंड में

## धर्मशाला टेस्ट में केएल राहुल की वापसी पर सस्पेंस

नई दिल्ली , भारत और इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे टेस्ट सीरीज के पांचवें और अंतिम मैच में केएल राहुल की वापसी पर संशय बरकरार है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, वह इलाज के लिए लंदन गए हैं। सीरीज में इंग्लैंड के खिलाफ भारत ने 3–1 की अजेय बढ़त बना ली है। सीरीज का आखिरी मैच धर्मशाला में 7 मार्च से खेला जाएगा।

वहीं, इस मैच से पहले केएल राहुल की वापसी को लेकर एक बार फिर चर्चा तेज हो गई है। विशाखापत्तनम में दूसरे टेस्ट से पहले बीसीसीआई ने एक बयान में कहा था कि राहुल दाहिने क्वाड्रिसेप्स में दर्द की शिकायत के कारण मैच नहीं खेल पाएंगे। लेकिन, ईएसपीएन क्रिकइन्फो की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि राहुल इस समय जाँघ के सामने के हिस्से में चोट के लिए एक विशेषज्ञ से परामर्श लेने के लिए लंदन में हैं। इस कारण उन्हें हैदराबाद में श्रृंखला के शुरुआती मैच के बाद एक्शन से बाहर होना पड़ा। सीरीज के पहले मैच में राहुल ने 86 और 22 रनों की पारियाँ खेली

# पवन कल्याण की हरि हरा वीरा मल्लू की मेकिंग जारी

तेलुगु सुपरस्टार पवन कल्याण की आने वाली फिल्म हरि हरा वीरा मल्लू ट्रैक पर है। पहले यह खबर सामने आई थी कि फिल्म अब नहीं बन सकेगी, लेकिन बाद में फिल्म निर्माता ने खुद सामने आकर सभी संशय को खत्म करते हुए स्पष्ट कर दिया कि फिल्म का बनना जारी है।

वहीं, पवन भी जल्द ही फिल्म बनने की प्रक्रिया में हिस्सा लेंगे। फिलहाल, वो आंध्र प्रदेश चुनाव प्रचार में व्यस्त हैं। जैसे ही उनकी व्यस्तता पर विराम लगेगा तो फिल्म निर्माण को नई गति मिलेगी।

फिल्म निर्माता एएम रत्नम ने एक सार्वजनिक सभा को संबोधित करने के क्रम में फिल्म से संबंधित सभी अफवाहों का खंडन किया। रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने कहा कि, हरि हरा वीरा मल्लू से उन्हें सिर्फ तेलुगु राज्यों में ही नहीं, बल्कि पूरे देश में एक पावरस्टार के रूप में जाना जाएगा। उन्होंने हाल ही में फिल्म के लिए कुछ दृश्यों की शूटिंग की और चुनाव के बाद फिर से शूटिंग शुरू करेंगे। अगर मैं पैसा कमाना चाहता तो मैं उनसे कुछ ही दिनों में फिल्म पूरी करने का आग्रह करता। फिल्म 17वीं सदी पर

आधारित है और इस तरह की फिल्मों में समय लगता है। फिल्म में निधि अग्रवाल और बॉबी देओल भी हैं, जो पिछले साल दिसंबर में एनिमल की रिलीज के बाद से सुर्खियों में हैं। उन्होंने आगे कहा, मैंने हाल ही में देखा कि एक विशेष वेबसाइट ने दावा किया है कि फिल्म को बंद कर दिया गया है। अगर मैंने जवाब दिया होता, तो यह एक मुद्दा होता। इसलिए, मैंने बस यह बताया कि फिल्म के लिए वीएफएक्स का काम ईरान, बेंगलुरु, हैदराबाद और अन्य स्थानों पर हो रहा है।

उत्तराखण्ड शासन

आज़ादी का अमृत महोत्सव

# एक ही लक्ष्य-एक ही सपना
# सर्वश्रेष्ठ बने उत्तराखण्ड अपना

**पुष्कर सिंह धामी**
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

**नरेन्द्र मोदी**
प्रधानमंत्री

## आगे बढ़ता उत्तराखण्ड

• मुख्यमंत्री सीमान्त क्षेत्र विकास योजना (एमबीएडीपी)- उत्तराखण्ड राज्य के अन्तर्राष्ट्रीय सीमा से सटे पांच जनपदों क्रमशः चम्पावत, पिथौरागढ़, चमोली, उत्तरकाशी एवं उ0सि0नगर के 09 सीमान्त विकासखण्डों में आवासित परिवारों को सामुदायिक / समग्र विकास आधारित आजीविका सृजन, स्वरोजगार हेतु कौशल विकास कार्यक्रमों का क्रियान्वयन तथा मूल्य संर्वधन, विपणन आदि आवश्यक सतत् आजीविका के संसाधन एवं सुविधायें ससमय उपलब्ध कराना है ताकि सीमान्त क्षेत्रों में पलायन को भी रोका जा सके। वित्तीय वर्ष 2022-23 में कुल ₹ 2000.00 लाख की धनराशि सीमान्त जनपदों हेतु स्वीकृत की गई. जिसके सापेक्ष रू0 शत प्रतिशत धनराशि जनपदों को अवमुक्त की जा चुकी है।

• मुख्यमंत्री पलायन रोकथाम योजना का मुख्य उद्देश्य पलायन तथा ग्राम्य विकास निवारण आयोग द्वारा चिन्हित गांवों में आवासित परिवारों / बेरोजगार युवाओं / रिवर्स माइग्रेन्ट्स आदि को स्वरोजगार को उपलब्ध कराने हेतु वर्तमान में कियान्वित विभिन्न विभागीय योजनाओं तथा गैप फिलिंग के रूप में इस योजना के तहत आवश्यक वित्तीय सहायता के माध्यम पलायन रोकना तथा रिर्वस पलायन को बढ़ावा देना है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में कुल ₹ 2500 लाख की धनराशि स्वीकृत की गई, जिसके सापेक्ष शत प्रतिशत धनराशि जनपदों को अवमुक्त की जा चुकी है।

• वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली पर्यटन स्वरोजगार योजना में वित्तीय वर्ष 2022-23 में 285, वित्तीय वर्ष 2023-24 में सितम्बर, 2023 तक 95 योजना प्रारम्भ (वर्ष 2002) से आतिथि तक 7257 लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया।

• दीन दयाल उपाध्याय गृह आवास (होम स्टे) विकास योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2022- 23 में 222, वित्तीय वर्ष 2023 - 24 में सितम्बर 2023 तक 61, योजना प्रारम्भ से आतिथि तक 671 लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया।

• ट्रैकिंग ट्रक्शन सेंटर होम स्टे के अन्तर्गत 06 जनपदों में 16 ट्रैकिंग ट्रैक्शन सेन्टर के अन्तर्गत 99 गांव को अब तक अधिसूचित किया गया है तथा 304 व्यक्तियों का चयन योजना का लाभ प्रदान किया जा चुका है।

• पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आयोजित Best Tourism Village Competition के अन्तर्गत जनपद पिथौरागढ के सरमोली गांव को भारत सरकार की गोल्ड कैटेगरी में Best Tourism Village का अवार्ड प्रदान किया गया।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी

www.uttarainformation.gov.in UttarakhandDIPR DIPR_UK UttarakhandDIPR

# पल्स पोलियो अभियान में सभी बच्चों को आच्छादित करें : डीएम

## हर एक बच्चे को पोलियो और अन्य बिमारियों के टीकाकरण का लाभ दिलाएं अभिभावक

**जयन्त प्रतिनिधि।**

पौड़ी : जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में स्वास्थ्य विभाग और अन्य सहयोगी विभागों के साथ आगामी 3 मार्च को राष्ट्रीय पल्स पोलियो दिवस तथा 4 मार्च से 9 मार्च तक डोर-टू-डोर अभियान को सफलता पूर्वक संचालित करने के संबंध में बैठक आयोजित की गई।

जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य कर्मियों को निर्देशित किया कि जनपद के किसी भी क्षेत्र में एक भी बच्चा पल्स पोलियो, मिजल्स रुबेला और अन्य बीमारियों के टीकाकरण से वंचित नहीं होना चाहिए, इस बात को सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि अपने स्वास्थ्य कार्मिकों और फील्ड कार्मिकों की मदद से कंस्ट्रक्शन साइट, फ्लोटिंग पोपुलेशन, घुमंतु लोगों के इलाकों, भीड़-भाड़ वाले स्थलों, वन गुर्जर बस्तियों और वन क्षेत्रों से सटे आबादी वाले क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के बच्चों का टीकाकरण करवाने के लिए सूक्ष्म प्लान बनाएं तथा प्रत्येक बच्चे को फोकस करें। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को विकासखंड तथा अपने स्थानीय स्वास्थ्य कार्मिकों की सहायता से बच्चों व परिवार से जुड़ा अद्यतन डेटा लेकर उसी अनुरुप बच्चों को कवर करने की रणनीति बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग के अतिरिक्त बाल विकास विभाग, पंचायती राज विभाग, पुलिस विभाग, परिवहन विभाग और वन विभाग को भी पल्स पोलियो टीकाकरण से बच्चों को शत-प्रतिशत आच्छादित करने के लिए अपनी ओर से भी आवश्यक सहयोग करने के निर्देश दिए। उन्होंने 3 मार्च को प्रत्येक विद्यालय को खुला रखने के मुख्य शिक्षाधिकारी को निर्देश दिए ताकि बच्चों को टीकाकरण कराने में अपेक्षित सहयोग मिल सके।

डीएम डॉ. आशीष चौहान बैठक में अधिकारियों को निर्देश देते हुए।

इस दौरान स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि 3 मार्च रविवार को सभी स्वास्थ्य केंद्रों में पल्स पोलियो से बचाव की खुराक दी जाएगी, 4 मार्च से 9 मार्च 2024 तक कोटद्वार के शहरी क्षेत्र, विकासखंड दुगड्डा का भाबर एवं कालागढ़ क्षेत्र तथा यमकेश्वर का लक्ष्मणझूला, स्वर्गाश्रम, चीला, कुनाव, गंगा भोगपुर क्षेत्र में घर-घर टीम जाकर पोलियो डे के दिन वंचित रह गए बच्चों का टीकाकरण करेगी। इस मौके पर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. प्रवीण कुमार, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. रमेश कुंवर, सहायक प्रतिरक्षण अधिकारी प्रीती रतूड़ी, सुशील कुमार, चिकित्सा अधीक्षक श्रीनगर डॉ. गोविंद पुजारी सहित समस्त विकासखंडों के प्रभारी चिकित्साधिकारी और अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

# सेवानिवृत्त नायब तहसीलदार को दी गई विदाई

**जयन्त प्रतिनिधि।**

सतपुली : 33 साल 11 माह की लंबी सेवा के बाद गुरूवार को चौबट्टाखाल तहसील से सेवानिवृत्त हुए नायब तहसीलदार दिलवान सिंह की सेवानिवृत्ति पर उन्हें भावभीनी विदाई दी गई।

गुरूवार को नायब तहसीलदार दिलवान सिंह को सेवानिवृत्त होने पर तहसील सभागार में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में सेवानिवृत्त हुए नायब तहसीलदार को फूलमाला पहनाकर विदाई दी गई। साथ ही उनके दीर्घायु होने की कामना की गई। इस मौके पर ब्लॉक प्रमुख एकेश्वर नीरज पांथरी ने नायाब तहसीलदार दिलवान सिंह के कार्यकाल की सराहना की और हमेशा स्वस्थ रहने की कामना की। उन्होंने कहा कि दिलवान सिंह ने डेढ़ साल तक चौबट्टाखाल तहसील में नायब तहसीलदार के पद पर बहुत ही जिम्मेदारी एवं निष्ठा पूर्वक काम किया। इस मौके पर ग्राम प्रधान तेजपाल सिंह पंवार, प्रधान गडरी महिपाल, पूर्व ब्लॉक प्रमुख सुरेन्द्र रावत सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, चौबट्टाखाल एवं सतपुली तहसील के कर्मचारी उपस्थित रहे।

# डंपर की टक्कर से स्कूटी सवार महिला की मौत

रुद्रप्रयाग : ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर रुद्रप्रयाग से श्रीनगर की ओर जा रही एक स्कूटी को खांकरा के पास एक निर्माणदायी कंपनी के डंपर ने टक्कर मार दी। हादसे में स्कूटी सवार एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसके पति को हल्की चोट आई है। घटना के पीछे डंपर चालक की लापरवाही बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार घटना गुरुवार सुबह करीब 11 बजे खांकरा के सम्राट होटल के पास हुई। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि स्कूटी अपनी सही साइड पर चल रही थी, किंतु डंपर स्कूटी को ओवरटेक कर रहा था और इसी दौरान विपरीत दिशा से कोई वाहन आया और चालक ने डंपर को अंदर की ओर काट लिया, जिससे स्कूटी डंपर की चपेट में आ गई। हादसे में स्कूटी में सवार दंपति सड़क पर गिर पड़े। घटना में 26 वर्षीय सुमन देवी पत्नी संदीप सेमवाल निवासी पुनाड़ रुद्रप्रयाग की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पति संदीप सेमवाल घायल हो गए। जिन्हें निजी वाहन से जिला अस्पताल पहुंचाया गया। लोगों की सूचना के करीब एक घंटे बाद एम्बुलेंस मौके पर पहुंच सकी, जिससे लोगों में आक्रोश था। इधर, घटना की सूचना पर कोतवाली निरीक्षक राजेंद्र सिंह रौतेला मय फोर्स मौके पर पहुंच गए। वहीं जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र से भी जवान मौके पर पहुंच गए। इसके बाद पुलिस व डीडीआरएफ द्वारा मृतका के शव को जिला अस्पताल पहुंचाया गया। कोतवाली निरीक्षक ने बताया कि पंचनामा भरकर शव का पोस्टमार्टम किया जा रहा है जिसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा। परिजनों ने आरोपी चालक के खिलाफ तहरीर दी है। जिसके बाद पुलिस ने डंपर चालक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस आरोपी डंपर चालक पर मुकदमा लिखने की कार्यवाही कर रही है। वहीं घटना की खबर मिलते ही पुनाडं गांव के साथ ही स्थानीय लोग बड़ी संख्या में अस्पताल पहुंचे। (एजेंसी)

## भाटखोला और सिरोली गांव में पेयजल किल्लत

चमोली : नंदप्रयाग नगर पंचायत के अंतर्गत भाटखोला और सिरोली गांव में पेयजल किल्लत बनी है। मंगरोली गांव के पूर्व ग्राम प्रधान तेजवीर कंडेरी ने इस संबंध में जिलाधिकारी को ज्ञापन भेजा है। उन्होंने कहा कि गांव को जल जीवन मिशन योजना से भी नहीं जोड़ा गया है। कहा कि दोनों गांवों में करीब 25 परिवार निवास करते हैं। उन्होंने नंदप्रयाग में नंदाकिनी और अलकनंदा के संगम पर वर्ष 2013 की आपदा में क्षतिग्रस्त हुए पुल के निर्माण की मांग भी उठाई है। कहा कि नगर पंचायत की ओर से अभी तक पुल के दोनों ओर से सिर्फ ढांचा खड़ा किया गया है,

## सनराइज सिरकोट ने जीता क्रिकेट मैच

चमोली : ग्वालदम के एसएसबी ग्राउंड में क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में सनराइज सिरकोट की टीम ने लिजेंड ग्वालदम को 08 विकेट से हराकर ट्रॉफी अपने नाम की। गुरुवार को हुए फाइनल मुकाबले में लिजेंड ग्वालदम ने टॉस जीता पहले बल्लेबाजी की। पहले खेलते हुए आठ विकेट के नुकसान पर 184 रन बनाये।

जवाब में सिरकोट की टीम ने शानदार शुरुआत करते हुए मैच अपने पक्ष में कर लिया। सिरकोट की टीम की ओर से नवीन को 27 गेदों में 74 रन बनाने पर मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। वहीं मैन ऑफ द सीरीज ग्वालदम के अविनाश को दिया गया। मुख्य अतिथि एसएसबी के सेकंड कमांडेंट सुनील कुमार ने विजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान की। इस अवसर पर थराली की प्रमुख कविता नेगी, पूर्व प्रधान मीनू टम्टा, सांसद प्रतिनिधि हरीश जोशी, कुन्दन परिहार ग्वालदम के प्रधान हीरा बोरा मौजूद रहे। (एजेंसी)

# बैंक वित्तीय धनराशि मंजूर करने की कार्यवाही शीघ्र पूर्ण करें

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला पर्यटन विकास समिति और दीन दयाल दयाल होमस्टे योजना के प्रकरणों की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। जिलाधिकारी ने बैंकों को भी निर्देशित किया कि लंबित अन्य आवेदनों की भी संबंधित से औपचारिकताएं पूर्ण करवाते हुए वित्तीय धनराशि मंजूर करने की कार्यवाही शीघ्रता से पूर्ण करें।

जिलाधिकारी ने समिति के सदस्यों को निर्देशित किया कि पर्यटन के विकास की दृष्टि से बनायी गयी परिसंपत्तियों के संचालन और रखरखाव के लिए टेंडरिंग प्रक्रिया में ऐसे प्रावधान रखे जाय जो संचालन की दृष्टि से प्रासंगिक और व्यावहारिक हो। जिससे संचालन आसानी से हो भी जाय तथा सरकार को मानक अनुरूप राजस्व भी मिलता रहे साथ ही जनपद के महत्वपूर्ण स्थल पर्यटकों को आकर्षित करने में भी सफल रह सके। उन्होंने श्रीनगर में बोटिंग की संभावना और जनरल विपिन रावत पार्क के संचालन के लिए भी उचित प्रक्रिया को शीघ्रता से प्रारंभ करते हुए उसे समय से पूर्ण करने के निर्देश दिये। दीन दयाल होम स्टे योजना की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने वर्चुअल माध्यम से संबंधित लाभार्थियों से बातचीत करते हुए योजना के लाभ लेने के संबंध में आ रही बाधाओं और औपचारिकताएं पूर्ण करने के बारे में फीडबैक लिया। इस दौरान जिला पर्यटन विकास अधिकारी ने विवरण प्रस्तुत करते हुए कहा कि पिछली बैठक में लैंड युज परिवर्तन से जुड़े 11 आवेदन लम्बित थे, जिनमें से सभी आवेदनों की 143 (लैंड युज) परिवर्तन का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा 4 आवेदकों की योजना के अन्तर्गत वित्तीय धनराशि (कुल 1 करोड़ 15 लाख 76 हजार रूपये) बैंक से मंजूर भी हो चुकी है। इस मौके पर मुख्य कोषाधिकारी गिरीश चंद्र, जिला पर्यटन विकास अधिकारी प्रकाश खत्री, सहायक लीड़ बैंक अधिकारी भूपेश नौटियाल सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

डीएम आशीष चौहान अधिकारियों को निर्देश देते हुए।

## संक्षिप्त समाचार

### 37 परीक्षार्थी रहे अनुपस्थित

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : उत्तराखंड बोर्ड की तीसरे दिन की परीक्षा में पौड़ी जिले से 37 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। गुरुवार को इंटर भूगोल और लेखा शास्त्र की परीक्षा का आयोजन हुआ। पौड़ी के मुख्य शिक्षाधिकारी डीसी गौड़ ने बताया कि तीसरे दिन भी परीक्षाएं जिलेभर में शांतिपूर्ण संपन्न हुई। सीईओ के मुताबिक भूगोल संस्थागत परीक्षा में 28, जबकि व्यक्तिगत परीक्षा में 8 परीक्षार्थी अनुपस्थति रहे। वहीं इंटर लेखाशास्त्र के पेपर में भी 1 परीक्षार्थी अनुस्थित रहा। सचल दलों ने जिले के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का जायजा लिया।

### लामबगड़ का युवक 24 से लापता

चमोली : गैरसैंण प्रखंड के खंसर घाटी के लामबगड़ गांव का 23 वर्षीय युवक सौरभ 24 फरवरी की सुबह तीन बजे से लापता चल रहा है। सभी संभावित जगहों पर खोजबीन करने के बाद लापता युवक के पिता इंद्र सिंह बिष्ट ने उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट थाना गैरसैंण में दर्ज करायी थी। थाना अध्यक्ष गैरसैंण डीएस पंवार ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कराने के दिन ही पुलिस गांव गयी थी। बताया कि लापता युवक का मोबाइल स्वीच ऑफ है। कहा कि पुलिस गांव वालों से पूछताछ के साथ ही कई अन्य एंगिलों से भी जांच कर रही है। (एजेंसी)

### युवती लापता

चमोली : आदिबदरी तहसील की 22 वर्षीय युवती गत 26 फरवरी से गुम है। परिजनों ने बताया कि 26 फरवरी सुबह से उनकी पुत्री ने किसी कार्य से बाहर जाने की बात कह घर से निकली थी लेकिन लौट कर नहीं आयी। थाना अध्यक्ष गैरसैंण ध्वजवीर सिंह पंवार ने बताया कि युवती की गुमशुदगी की रिपोर्ट परिजनों ने 28 फरवरी को थाने दर्ज करायी है। कहा कि पुलिस युवती की तलाश कर रही है। (एजेंसी)

### बस्ती के बीच कूड़ा डंपिंग यार्ड बनाने पर भड़के लोग

चमोली : चमोली मठ छिनका सड़क मार्ग पर भेड़ी बस्ती के बीचोंबीच कूड़ा डंपिंग यार्ड बनाने पर लोगों ने कड़ा विरोध जताया है। गुरुवार को यहां पर एकत्रित होकर जनप्रतिनिधियों और क्षेत्र के लोगों ने डंपिंग यार्ड के गेट पर सांकेतिक तौर पर ताला लगाकर अपना विरोध दर्ज किया। पूर्व जिपं सदस्य ऊषा रावत, हिसा देवी, विनीता देवी, विमला देवी, सलमा बेगम, फारुख खान, शकूर खान आदि ने कहा कि नगर पालिका गोपेश्वर कूड़ा डंपिंग यार्ड पर कूड़ा निस्तारण के लिए कूड़ा फेंकता है। यहां सूखा और गीला कूड़ा हर तरफ बिखरा है। कूड़ा डंपिंग यार्ड बस्ती के बीचोंबीच बना है। जिससे यहां रहने वालों के स्वास्थ्य पर असर पड़ रहा है। उन्होंने मांग उठाते कहा कि कूड़ा डंपिंग यार्ड और कूड़ा निस्तारण केन्द्र को अन्यत्र शिफ्ट किया जाए।

# महिला मंगल दलों ने लिया मतदान प्रतिशत बढ़ाने का संकल्प

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : आगामी लोकसभा चुनाव के दृष्टिगत जनपद में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए चल रहे अभियान के तहत शपथ लेने के साथ ही मेहंदी, वॉल पेटिंग, रंगोली और पोस्टर बनाने सहित अन्य गतिविधियों का आयोजन किया गया। जनपद के सभी 15 विकासखंडों में विभिन्न स्थानों में मतदाताओं ने शत प्रतिशत मतदान की शपथ ली।

आगामी लोकसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए जिला निर्वाचन विभाग युद्ध स्तर पर जुटा हुआ है। विकासखंड बीरोंखाल में स्वयं सहायता समूहों की सदस्यों ने चुनाव में शत प्रतिशत भागीदारी की शपथ ली। ग्राम सभा सुंदर गांव में महिला मंगल दलों और ग्राम पंचायत लसेरा में ग्रामीणों व कोटद्वार के सिगड्डी ग्रोथ सेंटर में कर्मचारियों को मतदान की शपथ दिलाई गई।

कोटद्वार के बलभद्रपुर में स्थित आईएचएमएस में छात्र-छात्राओं ने मतदान जागरूकता पर आधारित मेहंदी और रंगोली प्रतियोगिता में बढ़ चढ़कर भाग लिया। वहीं, विकासखंड थलीसैंण के जनता इंटर कॉलेज धांधणखेत में मतदाताओं को शत प्रतिशत मतदान की शपथ दिलाई गई।

## सफाई मजदूर संघ ने जिलाध्यक्ष राजेश को बनाया

नई टिहरी : अखिल भारतीय सफाई मजदूर संघ ने जनपद टिहरी गढ़वाल सहित प्रदेश में नये पदाधिकारी नियुक्त किए हैं। जिनकी सूची नगर पालिका नई टिहरी के प्रशासक व ईओ को सौंपते हुए संघ को सहयोग की अपील। नगर पालिका नई टिहरी के प्रदेश प्रभारी विशाल बिरला और प्रदेश अध्यक्ष चौधरी सुनील राजौर ने सौंपी सूची से अवगत कराया कि संघ का प्रदेश उपाध्यक्ष राजेंद्र कुमार कठेरिया को नियुक्ति किया गया है। जबकि जनपद टिहरी गढ़वाल का जिलाध्यक्ष राजेश रजन को बनाया गया है। नगर पालिका परिषद नई टिहरी के शाखा प्रभारी की जिम्मेदारी दीपक पंवार को दी गई है। इसके साथ ही बताया कि नगर पालिका नई टिहरी शाखा में संरक्षक हरिराज वाल्मीकि, अध्यक्ष सुनील कुमार, उपाध्यक्ष सुशील, कोषाध्यक्ष सुनील कुमार, उप महामंत्री राकेश कुमार, सह सचिव राम विलास नियुक्त हैं।

# निबंध में आरती तो चित्रकला में साक्षी रही प्रथम

नई टिहरी : बालगंगा महाविद्यालय, सेंदुल केमर में विज्ञान दिवस के अवसर पर एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में चित्रकला तथा निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

गुरुवार को अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के सहयोग से सेंदुल महाविद्यालय में आयोजित विज्ञान शिविर का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. बीसी उनियाल ने किया।

उन्होंने कहा कि सीवी रमन के आदर्शों को सभी बच्चों को अपनाना चाहिए, जिससे उनका भविष्य उज्ज्वल हो सके। अजीम प्रेमजी जी फाउंडेशन के सौरभ देका एवं अनिल भंडारी ने बच्चों को विज्ञान व सूचना तकनीकी जानकारी देते हुए कहा कि, आज तकनीकी व सूचना क्रांति का युग है जिसमें सभी युवाओं को बढ़चढ़ कर कार्य करना होगा। युवाओ को समय की मांग के अनुरुप नए-नए शोध करने होंगे। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं से विभिन्न प्रकार के क्रियाकलाप कराये गये। निबंध प्रतियोगिता में आरती ममगाईं प्रथम, संजना रावत द्वितीय तथा नीतू ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं चित्रकला में साक्षी प्रथम, अंकिता द्वितीय, रबीना ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस मौके पर डॉ. सरिता बहुगुणा, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अर्चना कुनियाल, डॉ. मुकेश नैथानी, डॉ. बद्रीश बडोनी, डॉ. सोना उनियाल, जितेंद्र डोभाल, अनिल कंसवाल, बृजेश सैनी आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

# टिहरी पुलिस ने चार विकेट से मैच जीता

रुद्रप्रयाग : कोटी कालोनी में आयोजित किए जा रहे क्रिकेट मैचों में दूसरे दिन का मैच टिहरी पुलिस और 33 केवी क्लब के बीच खेला गया। इस मैच को टिहरी पुलिस ने चार विकेट से जीता है। क्रिकेट टूर्नामेंट के संयोजक कुलदीप सिंह पंवार और अध्यक्ष मनोज रावत ने जानकारी देते हुए बताया कि सभी मैचों में इंटरनेशनल नियमों का पालन किया जा रहा है। दूसरे दिन मैच 33 केवी क्लब और टिहरी पुलिस के बीच खेला गया। 33 केवी ने टॉस जीत कर बैटिंग का फैसला लिया। बैटिंग करते हुए 33 केवी की टीम से सबसे अधिक रन महावीर ने 48, रवि ने 17 रन बनाये। अन्य सभी खिलाड़ी दहाई का अंक बी नहीं छू पाये। 33 केवी ने निर्धारित 15 ओवर में से मात्र 13 ओवर तक खेलते हुए कुल 108 रन बनाये। जबकि टिहरी पुलिस के बॉलर दीपक ने 4 विकेट और गजेंद्र ने 3 विकेट लिये। जबकि टिहरी पुलिस ने निर्धारित ओवर में 109 रन बनाकर 33 केवी को 4 विकेटों से शिकस्त दी। पुलिस की टीम से दीपक ने सर्वाधिक 31 रन नाबाद और 4 विकेट ले लेकर मैन आफ द मैच रहे। पंकज ने 19 रन बनाए। 33 केवी के साजन ने 2 विकेट लिए। कोटी स्पोर्ट्स क्लब के संयोजक कुलदीप सिंह पंवार ने बताया कि कोटी कॉलोनी में 13 साल बाद टीएचडीसी के सौजन्य से मैदान तैयार होने के बाद क्रिकेट मैचों का शुभारंभ किया गया है। क्रिकेट खेलने लिए 36 टीमें यहां पहुंची हैं। कार्यक्रम के दौरान टिहरी शहर के पुराने रिटायर खिलाड़ियों को सम्मानित करने का भी काम किया जायेगा।

## 5 ली. कच्ची शराब के साथ एक गिरफ्तार

नई टिहरी : थाना कैंपटी पुलिस ने 5 लीटर कच्ची शराब के साथ मुखबिर की सूचना पर आरोपी मुकेश सिंह असवाल पुत्र शांति सिंह असवाल निवासी ग्राम मीरिया गांव थाना कैम्पटी को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 60 (1) आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए सक्षम न्यायालय में पेश किया है। (एजेंसी)

## देवराड़ा को नगर पंचायत से अलग करने की मांग

चमोली : नगर पंचायत थराली से वार्ड नंबर 2 देवराड़ा को पृथक करने की मांग जोर पकड़ने लगी है। स्थानीय जनता ने वार्ड नंबर 2 देवराड़ा को नगर पंचायत थराली से पृथक कर ग्राम पंचायत में ही रखने की मांग की गई थी, लेकिन अभी तक कोई सकारात्मक कार्रवाई न देख एक बार पुनः देवराड़ा के ग्रामीणों ने 1 मार्च को धरना-प्रदर्शन करने का निर्णय लिया है। वार्ड 2 देवराड़ा को ग्राम पंचायत बनाओ संघर्ष समिति के अध्यक्ष जयशंकर टम्टा ने बताया कि वार्ड के ग्रामीण 1 मार्च को थराली के अपर बाजार, अप्पर बाजार, स्टेट बैंक, मुख्य बाजार होते हुए तहसील परिसर में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर उप जिला अधिकारी के माध्यम से प्रदेश सरकार, पंचायती राज मंत्री तथा जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपेंगे। (एजेंसी)

# ऋषभ और शीला दौड़े सबसे तेज

नई टिहरी : राजकीय महाविद्यालय देवप्रयाग में दो दिवसीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के विजेता-उपविजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

देवप्रयाग महाविद्यालय में आयोजित खेल प्रतियोगिता के क्रीड़ा समिति नोडल अधिकारी डॉ. एनएन नौडियाल ने विजेताओ की घोषणा की। जिसमें 100 मी. दौड़ बालक वर्ग में ऋषभ नेगी, शाहिल चंद, साहिल व बालिका वर्ग में शीला, वंदना एवं काजल, 200 मी. दौड़ बालक वर्ग में शाहिल चंद, प्रियांशु प्रभात, साहिल व बालिका वर्ग में शीला, काजल व वंदना प्रथम, द्वितीय, तृतीय रहीं। 400 मी. दौड में साहिल, प्रियांशु प्रभात व सौरभ, 800 मी. दौड़ में साहिल, प्रियांशु प्रभात शाहिला चंद क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय रहे। गोला फेंक बालक वर्ग में अरविंद सिंह, साहिल व आकाश नेगी तथा बालिका वर्ग में शिवानी सजवाण, काजल व शीला प्रथम, द्वितीय व तृतीय रहे। चक्का फेंक बालक वर्ग में अरविंद सिंह. संदीप खवास, साहिल व बालिका वर्ग में काजल, शिवानी व शीला प्रथम, द्वितीय व तृतीय रहे। भाला फेंक बालक वर्ग में साहिल चंद, अरविंद सिंह, साहिल एवं बालिका वर्ग में काजल, शिवानी एवं वंदना प्रथम, द्वितीय तृतीय रहे। लम्बी कूद में बालक वर्ग में साहिल चंद, ऋषभ नेगी व शेखर रावत तथा बालिका वर्ग में काजल, वंदना रावत, शिवानी प्रथम, द्वितीय तृतीय रहीं। ऊंची कूद में बालक वर्ग में शेखर रावत, ऋषभ नेगी व आकाश नेगी तथा बालिका वर्ग में काजल, शीला व शिवानी प्रथम, द्वितीय तृतीय रहीं। वहीं बैडमिंटन प्रतियोगिता में विजेता आकाश नेगी व उप विजेता सौरभ सिहं रहे। वॉलीबाल प्रतियोगिता विजेता टीम में अरविन्द, गौरव, प्रियाशु, विकास, साहिल चन्द, साहिल कुमार रहे। कैरम प्रतियोगिता बालक वर्ग में प्रियांशु विजेता व सचिन उपविजेता तथा बालिका वर्ग में शिवानी सजवाण विजेता व समीक्षा ध्यानी उपविजेता रहे। शतरंज प्रतियोगिता में गौरव विजेता तथा सौरभ उपविजेता रहे।

# आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की हड़ताल जारी

रुद्रप्रयाग : मानदेय बढ़ोतरी सहित छः सूत्रीय मांगों को लेकर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की हड़ताल सातवें दिन भी जारी रही। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने जोरदार नारेबाजी कर अपना विरोध जताया।

कहा कि जब तक उनकी मांगों पर उचित कार्यवाही नहीं होती, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। बीते 23 फरवरी से आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने वेतन बढोतरी समेत कई मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू की थी। गुरुवार को भी कार्यकर्ताओं की पुराने विकास भवन परिसर में अनिश्चितकालीन हड़ताल सातवें दिन भी जारी रही। इस दौरान आंगनबाडी कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन कर नारेबाजी की। इस अवसर वक्ताओं ने कहा कि पिछले लंबे समय से मानदेय बढ़ाने की मांग की जा रही है, लेकिन अभी तक सरकार की ओर से उनकी मांगों पर कोई उचित कार्यवाही नहीं की गई है। कहा कि कार्यकर्ता अपने विभाग के कार्य साथ ही तमाम अन्य कार्यों को पूरी ईमानदारी से करते आ रहे है, लेकिन बार-बार उनकी मांगों को अनदेखा किया जा रहा है। कहा कि न्यूनतम मानदेय 18 हजार रुपए करने, आंगनबाडी को रिटायर होने पर दो लाख रुपए देने का प्राविधान करने, मिनी कार्यकत्रियों का उच्चीकरण का जीओ जारी करने समेत कई मांगों पर उचित कार्यवाही नहीं होती, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। वहीं ऊखीमठ एवं जखोली ब्लाक में भी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का धरना जारी रहा। इस मौके पर संगठन की जिलाध्यक्ष सुनीता देवी, शांति खन्ना, सुमन खंडूडी, रेखा पंवार, सुषमा रौथाण, पूनम रावत, संगीता देवी, देवकी, विमला पंवार, मंगला देवी, अंजू काला समेत आंगनबाड़ी, सेविका व मिनी कार्यकत्रियां मौजूद थी। (एजेंसी)

# 80 लोगों ने किया रक्तदान

नई टिहरी : टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के कोटेश्वर चिकित्सालय के सौजन्य एवं आईएमए ब्लड बैंक देहरादून के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन टीएचडीसी टिहरी काम्प्लेक्स के अधिशासी निदेशक (ईडी) एलपी जोशी ने किया।

कोटेश्वर में आयोजित रक्तदान शिविर में कुल 80 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। जिसमें 78 पुरुष एवं 2 महिलाएं शामिल रहीं। रक्तदान शिविर के उद्घाटन पर ईडी जोशी ने कहा कि चिकित्सालय द्वारा नियमित रूप से समय-समय पर चिकित्सा विशेषज्ञों के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन करना चाहिए। ताकि जरूरतमन्दों को रक्त की सुविधा समय-समय पर मिल सके। साथ ही उन्होंने रक्तदान शिविर के आयोजन की सराहना की। इस रक्तदान शिविर के उद्घाटन के अवसर पर महा प्रबंधक प्रशासन डा. एनएन त्रिपाठी, अपर महा प्रबंधक डा. नमिता डिमरी, मुख्य चिकित्साधिकार डा. जी श्रीनिवास, अपर महाप्रबंधक विकास चौहान, अपर महा प्रबंधक बीएस पुंडीर, असिस्टेंट कमांडेंट सीआईएसएफ पारस राणा आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
—सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382—222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com